रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

गुरुवार
11 जून -2026
वर्ष 10, अंक 277
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

संक्षिप्त समाचार

पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट में 40 लाख मतदाता बढ़े

● 1.41 करोड़ नाम हटे, यूपी में हर वोटर को मिला 9 अंकों का खास नंबर

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में पंचायत चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची बुधवार को जारी कर दी गई। तमाम दावों, आपत्तियों के निस्तारण और गहन सत्यापन के बाद इस फाइनल लिस्ट को तैयार किया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने इस बार एक बड़ा बदलाव करते हुए हर पंचायत मतदाता को 9 अंकों का एक यूनिक पहचान नंबर जारी किया है। हालांकि, सूची जारी होते ही कई जिलों में वोटर्स को

इसे डाउनलोड करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, ऐसा तकनीकी दिक्कतों के चलते हो रहा है। **1.81 करोड़ नए नाम जुड़े, 1.41 करोड़ हटे**–राज्य निर्वाचन आयोग ने इससे पहले 18 दिसंबर, 2025 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की थी। इसके बाद चले संशोधन अभियान के बाद आए आंकड़े चौंकाने वाले हैं। फाइनल वोटर लिस्ट में करीब 1.81 करोड़ नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। वहीं, करीब 1.41 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। कुल मिलाकर इस बार पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट में करीब 40.19 लाख मतदाताओं की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

ईरान का बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में हमला

● अमेरिकी ठिकानों पर दागी मिसाइलें, जवाब में कार्रवाई

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान ने बुधवार को बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। ईरान ने अमेरिकी ठिकानों पर कुल 21 हमले करने का दावा किया। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि नुकसान की जानकारी बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जा रही है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि ये हमले अमेरिकी कार्रवाई के जवाब में किए गए हैं।

इससे पहले अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और निगरानी रडार ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। इससे पहले सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी सेना का अपाचे हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया था। एक दिन बाद ट्रम्प ने इसका आरोप ईरान पर लगाया था। उन्होंने कहा था कि अमेरिका इस हमले का जवाब जरूर देगा और इसके जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। हालांकि ईरान ने अमेरिकी हेलीकॉप्टर गिराने की जिम्मेदारी नहीं ली है। मिडिल ईस्ट मामलों के एक्सपर्ट एलिजाह मैग्नियर का कहना है कि लगातार हमलों और जवाबी कार्रवाई के बावजूद अमेरिका और ईरान दोनों लंबे युद्ध से बचना चाहते हैं।

12 साल पूरे होने पर मोदी सरकार ने लिए कई ताबड़तोड़ फैसले

● आंध्र की राजधानी अमरावती को दिया 2,534 करोड़ रुपए का गिफ्ट ● अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2ए को भी कैबिनेट की मिल गई है मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज 4,703 करोड़ रुपये की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। इनमें से दो परियोजनाएं आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती से जुड़ी हैं जिनकी कुल लागत करीब 2,500 करोड़ रुपये है। साथ ही एक प्रोजेक्ट अहमदाबाद में मेट्रो से जुड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इन प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट ने अहमदाबाद मेट्रो की फेज 2ए को मंजूरी दे दी है। अहमदाबाद में 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स होने हैं। फेज 2ए के तहत कोटेश्वर रोड से सरदार वल्लभभाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच मेट्रो लाइन बनाई जाएगी। छह किमी लंबे इस रूट में चार एलिवेटेड और एक अंडरग्राउंडर स्टेशन होगा। इसे चार साल में पूरा करने का लक्ष्य है और इसके लिए 2,169 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके पूरा होने के बाद अहमदाबाद में मेट्रो की कुल लंबाई बढ़कर 78 किमी हो जाएगी।

मोदी सरकार के 4399 दिन, टूटा नेहरू का रिकॉर्ड

● पूरी कैबिनेट ने तालियां बजाकर किया मोदी का स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी ने 10 जून को लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मोदी ने 26 मई 2014 को पीएम पद की शपथ ली थी। आज उनके कार्यकाल के 4399 दिन पूरे हो गए। पीएम के तौर पर यह उनका लगातार तीसरा कार्यकाल है। इससे पहले यह रिकॉर्ड पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू के पास था। वे 1952 में हुए पहले आम चुनाव के बाद 4398 दिनों तक इस पद रहे। दोपहर 12.30 बजे केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में मंत्रियों ने पीएम मोदी के स्वागत में खड़े होकर तालियां बजाईं। साथ ही एक विशेष प्रस्ताव भी पारित किया। दरअसल, 15 अगस्त 1947 को देश के आजाद होने के बाद जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। वे 15 अगस्त 1947 से 13 मई 1952 तक कुल 1732 दिन पीएम रहे। इसके बाद 1952 में देश में पहला आम चुनाव हुआ। कांग्रेस सत्ता में आई। संसदीय दल ने नेहरू को अपना नेता चुना।

सिंदरी की पायल शील ने श्रीलंका में किया भारत का नाम रोशन

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ
झारखंड प्रदेश/

धनबाद। कोयलांचल की मिट्टी से एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का तिरंगा शान से लहराया है। सिंदरी की नृत्यांगना पायल शील ने श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित प्रतिष्ठित 'पदन्यास वर्ल्ड डांस फेस्टिवल' में अर्ध-शास्त्रीय नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर देश-प्रदेश का नाम रोशन किया है।

विशेष आमंत्रण पर पहुंचीं कोलंबो – पायल शील को इस वैश्विक मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए विशेष आमंत्रण मिला था। विदेशी धरती पर भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक पेश करने का यह अवसर पायल ने अपनी सधी हुई नृत्य शैली से यादगार बना दिया।

भाव-भंगिमाओं ने बांधा समां – उत्सव के दौरान पायल ने अर्ध-शास्त्रीय नृत्य से दर्शकों और निर्णायकों का मन मोह लिया। उनकी सटीक भाव-भंगिमाएं, लयबद्ध कदम और कला के प्रति समर्पण ने पूरे समारोह में अलग छाप छोड़ी। प्रस्तुति के बाद देश-विदेश से आए गणमान्य अतिथियों ने पायल को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

धनबाद-झारखंड के लिए गौरव का क्षण –पायल की इस उपलब्धि को धनबाद और झारखंड के लिए ऐतिहासिक बताया जा रहा है। कला प्रेमियों का कहना है कि उन्होंने साबित कर दिया कि प्रतिभा और मेहनत हो तो छोटे शहरों की बेटियां भी वैश्विक क्षितिज पर चमक सकती हैं।

सिंदरी में जश्न का माहौल –पायल की सफलता की खबर मिलते ही सिंदरी में खुशी की लहर दौड़ गई। परिवार, गुरुजनों और स्थानीय लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी कलात्मक सफर के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

सेनाओं के लिए थियेटर कमांड बनाने की चर्चा तेज

● फिलहाल तीन शहरों में थियेटर कमांड बनाने की है तैयारी ● चीन-पाकिस्तान से इकट्ठे निपटेगी सेना, ब्लू प्रिंट है रेडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेनाओं के लिए थियेटर कमांड वाले आइडिया को अमलीजामा पहनाने के काम ने थोड़ी रफ्तार पकड़ी है। यूं तो यह आइडिया करीब 6 साल पुराना है, लेकिन अपना कार्यकाल खत्म होते-होते पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने इसका एक ठोस खाका तैयार कर दिया है, जिसे ब्लूप्रिंट बताया जा रहा है। अब रक्षा मंत्रालय और केंद्र सरकार को इस पर निर्णायक फैसला लेना है। भारतीय सशस्त्र सेना को थियेटर कमांड से जोड़ने की खबरों के बीच साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने एक रिपोर्ट दी है, जिसके अनुसार अभी भारत की तीनों सेनाएं, इंडियन आर्मी, इंडियन एयर फोर्स और इंडियन नेवी जो कुल 17 कमांड में काम करती है, वह ढांचा सिमट कर मात्र तीन थियेटर कमांड के अधीन लाया जाना है।

देश के तीन शहरों में बनेंगे थियेटर कमांड– रिपोर्ट के अनुसार नॉर्थर्न थियेटर कमांड का हेडक्वार्टर लखनऊ में होगा। नॉर्थर्न थियेटर कमांड का पूरा फोकस चीन पर होगा। नॉर्थर्न थियेटर कमांड की अगुवाई मुख्य तौर पर आर्मी के हाथों में होगी। वेस्टर्न थियेटर कमांड जयपुर से संचालित होगा और इसके पास पाकिस्तान से निपटने की जिम्मेदारी होगी। वेस्टर्न कमांड का नेतृत्व एयरफोर्स के हाथों में रहने की संभावना है। तीसरा या मैरीटाइम थियेटर कमांड केरल के तिरुवनंतपुरम से काम करेगा।

चीन-पाकिस्तान का इकट्ठा करना है सामना

एक डिफेंस थिंक टैंक यूनाइटेड सर्विस इंस्टिट्यूशन ऑफ इंडिया के एक रिसर्चर गौरव कुमार ने एससीएमपी से कहा, भारत में चिंता अभी ये है कि मिलिट्री के पास एक बार में एक ही चुनौती से निपटने जैसी सुविधा अब न रह जाए। पहले चीन और पाकिस्तान को मोटे तौर पर भिन्न सुरक्षा समस्या की तौर पर देखा जाता था। इससे पहले अखबार ने रिपोर्ट दी थी कि पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कार्यकाल की समाप्ति से पहले थियेटर कमांड का एक पुख्ता ब्लूप्रिंट रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपा है। इस ब्लूप्रिंट में थियेटर कमांड का स्ट्रक्चर, ह्यूमैन रिसोर्सेज, सिनर्जी मेकेनिज्म और एसओपी की जानकारी दी है। इस पर रक्षा मंत्री पहले रक्षा सचिव से चर्चा करेंगे, फिर नए सीडीएस जनरल आर.सुब्रमण्यन अपनी ओर से प्रेजेंटेशन देंगे। इसके बाद फाइनल ड्राफ्ट कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी को भेजा जाएगा और उसके माध्यम से प्रधानमंत्री तक पहुंचेगा।

पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत का था आइडिया

भारत में तीनों सेनाओं को थियेटर कमांड से जोड़ने का आइडिया औपचारिक तौर पर पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने दिया था। उन्होंने 6 साल पहले ही इसका एलान कर दिया था। वे शीर्ष जनरलों, एडमिरलों और एयर चीफ मार्शलों के जरिए सशस्त्र सेनाओं के काम करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाना चाहते थे और सेनाओं के बीच पूर्ण ऑपरेशनल सिनर्जी चाहते थे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस तरह से चीन की ओर से पाकिस्तान की सक्रिय मदद की बातें सामने आई हैं, उसके बाद से थियेटर कमांड की जरूरत काफी बढ़ गई हैं। हालांकि, पूर्व सीडीएस अनिल चौहान की पहल पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैन्य थियेटर की तर्ज पर ही तीनों सेनाओं में तालमेल बिठाने की कोशिशें भी हुईं और उसमें सफलता भी मिली।

झारखंड राज्य सूचना आयोग में 4 नए आयुक्तों की नियुक्ति को राज्यपाल की मंजूरी

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ
झारखंड प्रदेश/

झारखंड राज्य सूचना आयोग में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों को भरने की दिशा में अहम कदम उठा है। राज्यपाल संतोष गंगवार ने राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित चार नामों को सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्ति की मंजूरी दे दी है। राजभवन से मंजूरी मिलने के बाद वरिष्ठ पत्रकार अनुज कुमार सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक के सूचना आयुक्त बनने का रास्ता साफ हो गया है। राजभवन सचिवालय ने भी इसकी पुष्टि की है। राज्य सरकार द्वारा औपचारिक अधिसूचना जारी होते ही चारों नियुक्तियां प्रभावी हो जाएंगी और नए आयुक्त कार्यभार ग्रहण करेंगे।पहले लौटाया गया था पस्ताव सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार ने पहले भी इन्हीं चार नामों का पैनल राज्यपाल को भेजा था। तब राजभवन ने कुछ आपत्तियां जताकर प्रस्ताव वापस कर दिया था। इसके बाद सरकार ने दोबारा वही पैनल भेजकर उठाए गए सवालों पर विस्तृत स्पष्टीकरण दिया। सरकार के जवाब से संतुष्ट होने पर राज्यपाल ने नियुक्तियों को मंजूरी दी।शर्तों के साथ मिली मंजूरी

राज्यपाल ने नियुक्तियों को सशर्त मंजूरी दी है। उन्होंने सरकार को निर्देश दिया है कि राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति भी जल्द की जाए, ताकि आयोग का कामकाज प्रभावी ढंग से चल सके। साथ ही स्पष्ट किया कि नियुक्ति प्रक्रिया में कोई प्रक्रियागत त्रुटि या सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन पाया जाता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।राजनीतिक जुड़ाव पर हुआ था विवाद नियुक्ति प्रक्रिया शुरू से ही विवादों में रही। पैनल में शामिल अमूल्य नीरज खलखो का कांग्रेस, तनुज खत्री का झामुमो और शिवपूजन पाठक का भाजपा से जुड़ाव सामने आया था। विपक्ष और सामाजिक संगठनों ने सूचना आयोग जैसी स्वतंत्र संस्था में राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की नियुक्ति पर पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाए थे।

सदर अस्पताल में महिला का जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न

दैनिक अलग पहचान, डेस्क
संवाददाता, रांची,

रांची। धनबाद के सदर अस्पताल में एक महिला का जटील ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति सीमित होने के कारण निजी अस्पताल में इस प्रकार के ऑपरेशन पर लगभग 30,000 से 40,000 रुपये तक का खर्च आ सकता था, जो उनके लिए वहन करना कठिन था। सदर अस्पताल में यह उपचार निःशुल्क उपलब्ध होने से उन्हें समय पर जीवनरक्षक चिकित्सा मिल सकी।

इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि बरवाअड्डा निवासी 42 वर्षीय लखीवाला देवी, पति दुलाल चंद्र प्रमाणिक, पिछले लगभग तीन महीनों से अत्यधिक मासिक रक्तस्राव की समस्या से परेशान थीं। लगातार रक्तस्राव के कारण उनकी शारीरिक स्थिति कमजोर होती जा रही थी। आर्थिक तंगी के कारण वे निजी अस्पताल में उपचार कराने

में असमर्थ थीं। अंततः उन्होंने सदर अस्पताल, धनबाद का रुख किया और यहाँ कार्यरत स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ संजीव कुमार प्रसाद से परामर्श लिया।

विस्तृत जांच एवं अल्ट्रासोनोग्राफी कराने पर पता चला कि उनकी बच्चेदानी में गांठ है, जिसके कारण अत्यधिक रक्तस्राव हो रहा था। उनकी स्थिति को देखते हुए आज दिनांक 10 जून 2026 को डॉ. संजीव कुमार प्रसाद के नेतृत्व में सफलतापूर्वक बच्चेदानी निकालने का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ दिनेश कुमार द्वारा एनेस्थीसिया दिया गया। शल्य चिकित्सा टीम के सहायक के रूप में मधुसूदन मरांडी एवं रंजन उपस्थित रहे।ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और वर्तमान में मरीज स्वस्थ हैं तथा तेजी से स्वास्थ्य लाभ कर रही हैं। लखीवाला देवी एक गृहिणी हैं तथा उनके दो पुत्र और एक पुत्री हैं। उनके पति पेशे से चालक हैं। लखीवाला देवी एवं उनके परिजनों ने सदर अस्पताल के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि उन्हें सरकारी अस्पताल में यह सुविधा नहीं मिलती, तो आर्थिक कारणों से उपचार कराना अत्यंत कठिन हो जाता।

झारखंड राज्यसभा चुनाव: कांग्रेस की आपत्तियां खारिज, परिमल नाथवानी का नामांकन वैध

अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य
संपादक, नई दिल्ली/

रांची। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए हो रहे चुनाव में भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी को बड़ी राहत मिली है। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान उठी आपत्तियों को रिटर्निंग ऑफिसर ने खारिज कर उनका नामांकन वैध घोषित कर दिया है। इसके साथ ही उनकी उम्मीदवारी बरकरार रह गई है।

नामांकन जांच के समय नाथवानी के दस्तावेजों पर तीन बिंदुओं को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया था। विधानसभा प्रभारी सचिव और रिटर्निंग ऑफिसर रंजीत कुमार ने अस्थायी रूप से नामांकन रोक दिया था। नाथवानी की ओर से सभी सवालों के जवाब और जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए गए। समीक्षा के बाद रिटर्निंग ऑफिसर संतुष्ट हुए और नामांकन को वैध करार दिया।

कांग्रेस ने जताया था विरोध –कांग्रेस ने नाथवानी

के नामांकन पर कड़ी आपत्ति दर्ज की थी। पार्टी के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद इस सिलसिले में रांची भी पहुंचे थे। खुर्शीद का कहना था कि कांग्रेस का पक्ष मजबूत था, लेकिन जब वे सुनवाई स्थल पहुंचे तब तक प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी। कांग्रेस के वकील सुरेंद्र सिंह चौहान ने दस्तावेजों में कमियां गिनाईं। उन्होंने दावा किया कि उम्मीदवार के नाम में विसंगति है, जहां 'परिमल नाथवानी' की जगह 'नाथवानी परिमल' लिखा गया। सबसे बड़ी आपत्ति हलफनामे को लेकर थी। चौहान के अनुसार चुनाव संचालन नियम, 1961 के तहत फॉर्म-26 में संपत्ति, जीवनसाथी, परिवार और आश्रितों की पूरी जानकारी देनी होती है। कांग्रेस का आरोप था कि नाथवानी ने कई कॉलम खाली छोड़े और सिर्फ अपनी और पत्नी की जानकारी दी। इसी आधार पर नामांकन रद्द करने की मांग की गई थी। हालांकि रिटर्निंग ऑफिसर ने स्पष्टीकरण के बाद आपत्ति स्वीकार नहीं की।

संख्या बल का गणित –विधानसभा के मौजूदा समीकरण में सत्तारूढ़ गठबंधन के पास 56 विधायक हैं। संख्या के लिहाज से गठबंधन दोनों सीटें जीतने की स्थिति में है। वहीं एनडीए के पास 24 विधायक हैं। ऐसे में नाथवानी को जीत के लिए अतिरिक्त समर्थन जुटाना होगा।

क्रॉस वोटिंग पर नजर –राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राज्यसभा चुनाव में सिर्फ संख्या बल निर्णायक नहीं होता। प्राथमिकता वोट और विधायकों की रणनीति भी नतीजे बदल सकती है। नाथवानी के मैदान में रहने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है। फिलहाल क्रॉस वोटिंग की चर्चाएं हैं, लेकिन हॉर्स ट्रेडिंग जैसे दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है। नामांकन विवाद खत्म होने के बाद अब पूरा चुनावी दारोमदार विधायकों के मतदान पर आ गया है। सत्तारूढ़ गठबंधन आश्वस्त है, जबकि नाथवानी की मौजूदगी ने मुकाबले को रोचक बना दिया है।

मैदान में तीन उम्मीदवार

नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद
अब तीन उम्मीदवार मैदान में हैं:
1. झामुमो उम्मीदवार बैद्यनाथ राम
2. कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा
3. भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी

संक्षिप्त समाचार

परिमल नथवानी का नामांकन रद्द करने की मांग को लेकर झारखंड विधानसभा के बाहर कांग्रेस का धरना

रांची, एजेंसी। झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी माहौल गर्म हो गया है। झारखंड विधानसभा के बाहर बुधवार को कांग्रेस के मंत्री, विधायक और वरिष्ठ नेता धरना पर बैठ गए। कांग्रेस नेताओं ने झारखंड में राज्यसभा चुनाव के लिए निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवानी के नामांकन को रद्द करने की मांग की है। झारखंड से राज्यसभा की दो सीटों पर होने वाले चुनाव के बीच निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवानी के नामांकन पत्र में तकनीकी गड़बड़ी पाए जाने का मामला सामने आया। परिमल नथवानी के नामांकन पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। विधानसभा के भीतर कांग्रेस और बाहर में बीजेपी प्रदर्शन कर रही है। बीजेपी के छह कार्यकर्ता गेट तक घुसे। बीजेपी और कांग्रेस आमने -सामने बैठ कर कर रही प्रदर्शन ।राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि आठ जून 2026 निर्धारित की गई थी। परिमल नथवानी ने 8 जून 2026 को राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। एनडीए के 20 विधायकों ने उनके प्रस्तावक के रूप में हस्ताक्षर किए। राज्य सभा चुनाव के लिए मतदान 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा, जबकि उसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना शुरू होगी। चुनाव प्रक्रिया 20 जून तक पूरी कर ली जाएगी।

मनरेगा कर्मी रांची के मोरहाबादी मैदान में 10 जून को देंगे धरना

रामगढ़, एजेंसी। झारखंड के मनरेगा कर्मी अपनी लंबित मांगों को लेकर पिछले तीन महीनों से आंदोलनरत हैं। इसी क्रम में मंगलवार को भी रामगढ़ जिले के सभी मनरेगा कर्मी उपायुक्त कार्यालय के पास आयोजित अनिश्चितकालीन धरना में शामिल हुए। धरना की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद ने की। मनरेगा कर्मियों ने बताया कि अपनी मांगों के समर्थन में 10 जून को रांची के मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका में धरना दिया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री आवास तक कूच किया जाएगा। यह आंदोलन प्रदेश के सभी पांचों प्रमंडलों के मनरेगा कर्मियों द्वारा चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। धरना को संबोधित करते हुए कर्मियों ने कहा कि उनका आंदोलन किसी राजनीतिक प्रभाव का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से लंबित समस्याओं और उपेक्षा के खिलाफ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन सरकार के विरोध में नहीं, बल्कि सम्मानजनक सेवा शर्तों, सामाजिक सुरक्षा और न्यायपूर्ण व्यवस्था की मांग को लेकर किया जा रहा है। मनरेगा कर्मियों ने कहा कि एक ही व्यवस्था में काम करने के बावजूद वेतन में भारी असमानता है। राज्य स्तर के कर्मियों को ग्रेड-पे का लाभ मिलता है, जबकि क्षेत्रीय स्तर पर कार्यरत हजारों कर्मियों को मात्र 12 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है। कम मानदेय के कारण उनके परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। कर्मियों ने यह भी कहा कि अब तक 156 मनरेगा कर्मियों की मृत्यु हो चुकी है, लेकिन उनके परिवार आज भी सामाजिक और आर्थिक असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। धरना का संचालन जिला सचिव ने किया। मौके पर लखन मुंडा, गणेश राम, राज कपूर, रामबालेश्वर महतो, दशरथ यादव, इकराम उल हक, विजय शर्मा सहित जिले के बड़ी संख्या में मनरेगा कर्मी उपस्थित थे।

सरकारी अस्पतालों में बदलेगी एंबुलेंस व्यवस्था, पुराने को हटाकर नई खरीदने की तैयारी

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने राज्य के सरकारी अस्पतालों में संचालित पुरानी और अनुपयोगी एंबुलेंस को हटाकर नई एम्बुलेंस खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं तथा सभी जिलों के सिविल सर्जनों को पत्र जारी कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। विभाग द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि सभी जिलों के राजकीय अस्पतालों एवं चिकित्सालयों में संचालित एंबुलेंस की समीक्षा की जाए। जिन एंबुलेंस की मियाद 8 वर्ष से अधिक हो चुकी है और जो 1।5 लाख किलोमीटर से अधिक चल चुकी हैं, उन्हें नियमानुसार कंडम घोषित कर नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाए। सभी सिविल सर्जनों को निर्देश दिया गया है कि अपने-अपने जिले के अस्पतालों में उपलब्ध एंबुलेंस का विस्तृत आकलन कर वाहन संख्या सहित पूरी रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं को उपलब्ध कराएं। प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर स्वास्थ्य विभाग राज्य स्तर पर एक समेकित प्रस्ताव तैयार करेगा, ताकि नई एम्बुलेंसों की खरीद के लिए स्वीकृति प्राप्त की जा सके ।स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि पुरानी और जर्जर एंबुलेंस के कारण कई बार मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में परेशानी होती है। ऐसे में नई एंबुलेंस की खरीद से आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने में मदद मिलेगी ।विभाग ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया है।

हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने में न हो कोई ढिलाई : सीएम हेमंत सोरेन

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की अपडेट कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जल जीवन मिशन की योजनाओं में तेजी लाने तथा राज्य के प्रत्येक घर तक पाइपलाइन और नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पेयजल की उपलब्धता जनजीवन से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जायेगी।

मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल संकट की संभावना वाले क्षेत्रों की विशेष निगरानी की जाये। जहां भी पेयजल की समस्या उत्पन्न हो रही है, वहां त्वरित कार्रवाई कर लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाये। उन्होंने जलापूर्ति योजनाओं के रखरखाव और मरम्मत कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने राज्य की जल सहियाओं को समूहवार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में प्लंबर का व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जल सहियाओं को खराब चापाकलों की मरम्मत, सौर ऊर्जा आधारित जलापूर्ति योजनाओं के रखरखाव तथा निगरानी की जिम्मेदारी दी जाये। साथ ही बेहतर कार्य करने वाली जल सहियाओं को सम्मानित और पुरस्कृत करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जायें।

मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन बड़ी जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि संवेदकों का वाट्सएप समूह बनाकर प्रतिदिन कार्य प्रगति की जानकारी ली जाये और उसकी लगातार मॉनिटरिंग की जाये।

उन्होंने अधिकारियों को जल जीवन मिशन के लिए बेहतर फ्रेमवर्क तैयार करने, वित्तीय संतुलन के लिए बैकअप प्लान विकसित करने तथा योजनाओं के पूरा होने के बाद शीघ्र उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त करने का निर्देश दिया।अधिकारियों ने बैठक में बताया कि जल जीवन मिशन के तहत दिसंबर 2028 तक राज्य के शत-प्रतिशत ग्रामीण घरों तक पाइपलाइन के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी शहरी क्षेत्रों जैसी बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण तथा भू-जल स्तर को बनाये रखने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया।उन्होंने अनुपयोगी हो चुके चापाकलों के बोरिंग को रिचार्ज पीट के रूप में उपयोग करने की बात कही। उन्होंने शॉक पीट बनवाने के लिए भी लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया। इस शॉकपीट में बेकार जल (वेस्ट पानी) संचयन का निर्देश दिया, ताकि भू-जल स्तर को बढ़ाने में मदद मिल सके।मुख्यमंत्री ने जल गुणवत्ता की समस्या पर चिंता जताते हुए कहा कि स्वच्छ पेयजल प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। उन्होंने प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करने और प्लास्टिक मुक्त गांव बनाने वाले समुदायों को सरकार की ओर से प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत करने का निर्देश दिया।

जबड़ा चेकनाका के पास कोल वाहन ने युवक को रौंदा, मुआवजे की मांग पर सड़क जाम

चतरा, एजेंसी। सिमरिया के चतरा-रांची मुख्य पथ स्थित जबड़ा चेकनाका के पास मंगलवार की रात कोल वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंद डाला। जिससे युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान जबड़ा के संदली गांव निवासी प्रदीप बाखला 28 वर्षीय (पिता स्व। सोहर बाखला) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को बरामद कर थाना ले आई।

घटना से आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने मुआवजा की मांग को लेकर चतरा रांची मुख्य मार्ग को चेकनाका के पास जाम कर दिया। ग्रामीण मृतक के परिजन को 50 लाख रुपये और एक नौकरी देने के साथ साथ टंडवा में जो मुआवजा दी जाती है उसी के तहत मुआवजा देने की मांग कर रहे है। पुलिस द्वारा शव ले जाने पर भी ग्रामीण और परिजन गुस्से में है। सड़क जाम से दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई जिससे आवागमन ठप हो गया है। जानकारी के अनुसार युवक लोहरदगा से बाइक से अपने घर संदली लौट रहा था। इस दौरान कोल वाहन ने चेकनाका के पास उसे अपने चपेट में ले लिया, जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

सड़क जाम रात 11 बजे से लेकर समाचार लिखे जाने तक लगा हुआ था। जबड़ा चेकनाका के पास तीन दिन के अंदर तीन युवकों की दर्दनाक मौत हुई है। शनिवार को इस चेकनाका के पास बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई थी। मृतकों में दुंदुआ गांव निवासी गणेश भुइयां और बंसत भुइयां की मौत हो गई थी। दूसरी घटना में मंगलवार रात बाइक सवार प्रदीप बाखला की मौत हुई।

राज्यसभा प्रत्याशी प्रणव झा ने मां छिन्नमस्तिका मंदिर में की पूजा-अर्चना,

रामगढ़, एजेंसी। देश के प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर में कांग्रेस के राज्यसभा प्रत्याशी प्रणव झा ने मंगलवार देर शाम पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, रामगढ़ विधायक ममता देवी सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रामगढ़ जिले के राजरप्पा स्थित छिन्नमस्तिका मंदिर पहुंचने पर, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद सभी नेताओं ने मां छिन्नमस्तिका की पूजा की और राज्य की खुशहाली, शांति, विकास और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की।

पूजा-अर्चना के बाद राज्यसभा प्रत्याशी प्रणव झा ने कहा कि मां छिन्नमस्तिका की पावन भूमि पर आकर उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा और जनसेवा के लिए नई प्रेरणा मिली है। कांग्रेस पार्टी जनता के विश्वास और समर्थन के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास, सामाजिक सौहार्द और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

राज्यसभा प्रत्याशी प्रणव झा के मंदिर परिसर में पूजा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता, समर्थक और श्रद्धालु उपस्थित रहे। बता दें कि रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर देश के प्रमुख सिद्धपीठ में से एक माना जाता है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

धनबाद में 15 दिनों से डेरा जमाए हैं 35 हाथी, टुंडी के गांव में देर रात घुसे, दो घर किया क्षतिग्रस्त

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के टुंडी प्रखंड में जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले करीब 15 दिनों से टुंडी पहाड़ क्षेत्र में लगभग 35 हाथियों का बड़ा झुंड डेरा डाले हुए है। भोजन और पानी की तलाश में यह झुंड लगातार आबादी वाले इलाकों की ओर रुख कर रहा है, जिससे आसपास के गांवों में भय का माहौल बना हुआ है।

ग्रामीण रात होते ही सतर्क हो जा रहे हैं। घरों से बाहर निकलने में भी डर महसूस कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाथियों की लगातार आवाजाही से खेती-बाड़ी और दैनिक जीवन पर भी असर पड़ रहा है। वन विभाग की निगरानी के बावजूद हाथियों का झुंड बार-बार गांवों की ओर बढ़ रहा है।

हाल ही में हाथियों का यह झुंड टुंडी पहाड़ से उतरकर पर्वतपुर और बसहा गांव में घुस गया। देर रात हुई इस घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई। हाथियों की चिंघाड़ और पेड़ों के टूटने की तेज आवाज सुनकर ग्रामीण घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। जैसे ही लोगों ने हाथियों के झुंड को गांव में देखा, वे अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। इस दौरान कई परिवारों ने रात खुले आसमान के नीचे या दूसरे सुरक्षित ठिकानों पर बिताई। ग्रामीणों के मुताबिक, हाथियों का झुंड काफी देर तक गांव में घूमता रहा और नुकसान पहुंचाता रहा।

इस घटना में पर्वतपुर गांव के महालाल किस्कू और सुनील हेंब्रम के मिट्टी के घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के समय दोनों परिवार घर के अंदर मौजूद थे, लेकिन किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे।

बड़े हाथियों ने घरों की दीवारें और ढांचे तोड़ दिए, जबकि छोटे हाथियों ने घरों में घुसकर धान, गेहूं समेत अन्य खाद्यान्न खा लिया। इससे प्रभावित परिवारों के सामने अब रहने और खाने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। सूचना मिलने पर वन विभाग की मशालची टीम मौके पर पहुंची और मशाल, ढोल-नगाड़ों तथा पटाखों की मदद से हाथियों के झुंड को गांव से दूर नवतार पहाड़ की ओर खदेड़ दिया।

बीएनजे कॉलेज का ताला खुला, 14।79 करोड़ रुपए की अत्याधुनिक बिल्डिंग में पढ़ेंगे 9000 स्टूडेंट्स

रांची, एजेंसी। एजुकेशन रिपोर्टर7रांची/सिसई आखिरकार सोमवार को ज्ञान के मंदिर में लगा ताला खुल गया। 4 साल से तैयार होकर भी बंद पड़े रांची यूनिवर्सिटी के बीएनजे कॉलेज के नए शैक्षणिक भवन का हैंडओवर करने की औपचारिकता सोमवार को पूरी कर ली गई। कॉलेज का यह अत्याधुनिक भवन वर्ष 2022 में ही 14। 79 लाख रुपए की लागत से बनकर तैयार हो गया था।लेकिन कॉलेज की भूमि के दानदाता परिवार की ओर से नौकरी की मांग को लेकर लगाए गए ताले और चारदीवारी निर्माण नहीं होने के कारण नए भवन में पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी थी। नतीजा यह रहा कि कॉलेज के करीब 9000 छात्र-छात्राएं वर्षों तक जर्जर और असुरक्षित भवन में पढ़ाई करने को मजबूर रहे।

रांची विश्वविद्यालय की वीसी प्रो। सरोज कुमार शर्मा के निर्देश पर विवि अधिकारियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों की पहल रंग लाई और नए भवन में पढ़ाई का रास्ता साफ हो गया। क्या था विवाद कॉलेज के लिए जमीन दान करने वाले परिवार ने कॉलेज में नौकरी की मांग की थी। नौकरी नहीं देने पर विवाद हो गया था और कॉलेज में ताला लगा दिया गया था।

जर्जर भवन में अब तक हो रही थी पढ़ाई, हादसे का डर कॉलेज के प्राचार्य प्रो। अमिताभ भारती बताते हैं कि पुराने जर्जर भवन में जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। पुराने भवन की स्थिति बेहद खराब थी और प्लास्टर झड़ने की घटनाएं आम थी। कभी भी हादसा हो सकता था। मौके पर मुख्य रूप से जिप सदस्य विजय लक्ष्मी कुमारी, मुखिया शोभा देवी, रेखा देवी, डॉ आदित्य विक्रम देव, प्रो। साहू प्रकाश लाल, डॉ। निसार अहमद, डॉ परांगत खलखो, सुरेश साहू, सच्चिदानंद उरांव, संजय वर्मा, रोहित शर्मा, मुकेश डेविड, पंकज साहू, सत्येंद्र साहू, सुखलाल राय समेत अन्य मौजूद थे।बीएनजे कॉलेज का नया भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस है। भवन में 18 क्लासरूम, ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी, कंप्यूटर रूम सहित उच्च शिक्षा की जरूरतों के अनुरूप कई सुविधाएं विकसित की गई हैं। 4 साल तक बंद रहने के कारण नए भवन की स्थिति खराब होने लगी, जिसे ठीक करने के लिए संबंधित संवेदक को कहा गया है। अब कॉलेज की शैक्षणिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री आवास घेरने निकले झारखंड आंदोलनकारियों को पुलिस ने मोरहाबादी मैदान में रोका, सुरक्षा चौकस

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में बुधवार सुबह झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के बैनर तले बड़ी संख्या में आंदोलनकारी कई मांगों को लेकर सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने अपनी पहचान, सम्मान, पेंशन और अन्य लंबित मुद्दों के समाधान की मांग करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास की ओर कूच करने का प्रयास किया।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने मुख्यमंत्री आवास और उसके आसपास के क्षेत्रों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी है। मोहराबादी मैदान से लेकर मुख्यमंत्री आवास तक आने वाले प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की निगरानी में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी मौजूद

प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को मोहराबादी क्षेत्र में ही रोक दिया, जहां वे अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते रहे। मौके पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी मौजूद हैं।

स्थिति नियंत्रण में है

सुरक्षा व्यवस्था के तहत रैपिड एक्शन पुलिस, जैप, एसआईआरबी और अन्य बलों की कई टुकड़ियां तैनात की गई हैं। साथ ही फायर ब्रिगेड, विशेष वाहन, पानी के टैंकर और आंसू गैस दस्ता भी तैयार रखा गया है। प्रशासन की प्राथमिकता प्रदर्शन को शांतिपूर्ण बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने की है। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है और प्रशासन लगातार घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

रांची में बेखौफ स्नैचर: कहीं सोने की चेन तो कहीं झपट लिया मोबाइल फोन

रांची, एजेंसी। राजधानी में बाइकर्स गैंग आतंक मचा रहे हैं। कहीं महिलाओं से सोने के चेन झपटे जा रहे हैं तो कहीं मोबाइल फोन। एक सफ्ताह के भीतर एक दर्जन से ज्यादा मामले रांची के अलग अलग थानों में रिपोर्ट किए गए हैं। हैरानी की बात है कि स्नैचर्स सीसीटीवी कैमरों में कैद भी हो रहे लेकिन दबोचे नहीं जा रहे हैं।

राजधानी रांची में स्नैचिंग की वारदातों में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। मंगलवार को ताजा कोतवाली थाना क्षेत्र के हरमू रोडस्थित बाम्बे वेफर्स के सामने बाइक सवार दो अपराधियों ने एक छात्र से मोबाइल छीनकर फरार हो गए। बाइक सवार अपराधियों ने वारदात को तब अंजाम दिया, जब छात्र मोबाइल पर बात करते हुए सड़क किनारे चल रहा था। छिनतई की घटना सीसीटीवी कैमरा में भी कैद हुई है।

इस संबंध में छात्र निखिल कुमार ने कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। गाड़ीखाना के रहने वाले निखिल ने पुलिस को बताया कि उनका दोस्त हरमू रोड में रहता था। मंगलवार को दिन के 12 बजे वह अपने दोस्त से मिलने के लिए पैदल जा रहा था। इस दौरान वह अपने एक मित्र से मोबाइल फोन से बात करते हुए पैदल चल रहा था।

हरमू बाम्बे वेफर्स के पास एक बाइक पर सवार दो अपराधी पहुंचे और उनके हाथ से मोबाइल छीना और तेजी से भाग निकले। हालांकि वह अपराधियों का पीछा भी किया लेकिन अपराधी बाइक से भाग निकले। जिसके बाद वह कोतवाली थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया। कोतवाली थाना प्रभारी सनोज चौधरी ने बताया कि मामले में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्नैचर्स की पहचान की जा रही है।

राजधानी रांची में बेखौफ स्नैचर लगातार छिनतई की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस के आंकड़े बताते हैं कि एक से आठ जून के बीच रांची के सुखदेवनगर, अरगोड़ा, लालपुर, धुर्वा समेत अन्य थाना क्षेत्र में आधा दर्जन से ज्यादा छिनतई की वारदातें हुई है। इस मामले में थानों में प्राथमिकी भी दर्ज की गई है लेकिन अब तक पुलिस को स्नैचरों का कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। पुलिस अफसरों का कहना है कि रांची के लोकल अपराधी ही स्नैचिंग की घटना को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस की स्पेशल टीम अपराधियों को पकड़ने के लिए जुटी हुई है।

केस स्टडी

7 जून: रातू रोड मुख्य मार्ग पर आदिवासी बिड़ला छात्रावास के पास शनिवार को दोपहर में छात्रा से स्कूटी सवार उचक्के ने मोबाइल फोन की छिनतई कर ली और भाग निकलने में कामयाब हो गया। घटना के समय छात्रा ट्यूशन पढ़ने के लिए पैदल एक कोचिंग सेंटर जा रही थी। इस संबंध में सुखदेवनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है।

5 जून: रांची में खेलगांव थाना क्षेत्र के डुमरदगा सैनिक कॉलोनी के रहने वाले आदित्य रंजन से बाइक सवार अपराधियों ने उनके गले से चेन छीनकर फरार हो गए। मामले में खेलगांव थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अब तक अपराधियों का पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला है।

6 जून: रांची के मोराबादी मैदान स्थित रांची डीसी के आवास के ठीक सामने एक महिला से सुबह के समय अज्ञात अपराधियों ने सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए। महिला अपने पति के साथ मार्निंग वॉक कर घर लौट रही थी। इस सबंध में रांची के लालपुर थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

3 जून: धुर्वा थाना क्षेत्र के एचइसी सेक्टर दो में शालीमार बाजार में सब्जी की खरीदारी करने गए कुंदन कुमार से मोबाइल फोन की छिनतई कर ली गई। घटना बुधवार को शाम साढ़े छह बजे उस समय हुई जब एचइसी कॉलोनी में आवास संख्या सीडी 265 में रहने वाले कुंदन कुमार मशरूम की खरीदारी कर उसे अपनी साइकिल में टंगे थैला में रख रहे थे।

7 जून: रांची के हटिया विकास नगर रोड नंबर चार में बाइक सवार अपराधियों ने एक महिला से उनके गले से सोने का चेन छीनकर फरार हो गए। इस वारदात को बाइक सवार अपराधियों ने रविवार की रात तब अंजाम दिया, जब महिला टहलने के लिए घर से निकली थी।

इस संबंध में योगेंद्र प्रसाद ने जगन्नाथपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। योगेंद्र प्रसाद ने पुलिस को बताया कि सात जून की रात साढ़े आठ बजे उनकी पत्नी अनुबिता कुमारी घर से टहलने के लिए निकली थी। गणपतिनाथ मंदिर के पास जब वह पहुंची तो एक बाइक पर सवार दो अपराधी पीछे से पहुंचे और उनके गले से सोने का चेन छीना और तेजी से हटिया सिंह मोड़ की ओर भाग निकले, जिसके बाद वह पत्नी के साथ जगन्नाथपुर थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया।

संक्षिप्त समाचार

सूचना आयुक्तों की नियुक्ति पर मुहर, राज्यपाल ने चार नामों को दी मंजूरी

रांची, एजेंसी। झारखंड में लंबे समय से लंबित सूचना आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। झारखंड में 4 सूचना आयुक्तों की नियुक्ति हुई है। नवनियुक्त सूचना आयुक्तों में अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य खलखो और शिव पूजन पाठक शामिल हैं। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने 25 मार्च को वरिष्ठ पत्रकार अनुज कुमार सिन्हा के साथ तनुज खत्री, शिवपूजन पाठक और अमूल्य नीरज खलखो के नामों की अनुशंसा राजभवन को भेजी थी। राज्यपाल ने विशेष रूप से उन नामों पर आपत्ति जताई थी जो सक्रिय राजनीतिक दलों से जुड़े हुए हैं। राजभवन ने मुख्य सचिव को फाइल भेजते हुए इन नामों पर स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया था।

आजसू ने बड़े आंदोलन का किया ऐलान, पुलिस बर्बरता के खिलाफ खोलेगा मोर्चा

बोकारो, एजेंसी। धनबाद में आजसू नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित पुलिस बर्बरता के विरोध में आजसू पार्टी ने बड़ा आंदोलन करने का ऐलान किया है। बोकारो में आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक में 22 जून को धनबाद में आक्रोश मार्च निकालने का निर्णय लिया गया। वहीं, संगठन विस्तार के लिए जुलाई में महिला सम्मेलन और अगस्त में युवा सम्मेलन आयोजित करने की भी घोषणा की गई। बोकारो में आयोजित आजसू पार्टी की केंद्रीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो, सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी समेत केंद्रीय और जिला स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में संगठन की मजबूती, राज्य के समसामयिक राजनीतिक मुद्दों, जनसरोकार से जुड़े विषयों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पार्टी नेतृत्व ने भविष्य की रणनीति और संगठन विस्तार पर भी मंथन किया। बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ। देवशरण भगत ने बताया कि 5 जुलाई को रांची में महिला सम्मेलन और 7 तथा 8 अगस्त को जमशेदपुर में युवा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं और महिलाओं को संगठन से जोड़ने तथा उन्हें नेतृत्व में आगे लाने के लिए पार्टी लगातार प्रयास कर रही है। वहीं, पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो ने धनबाद की घटना को लेकर सरकार और प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय हुआ है, जिससे कार्यकर्ताओं और आम लोगों में भारी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि जनभावना का सम्मान करते हुए 22 जून को धनबाद में स्थापना दिवस और बलिदान दिवस के अवसर पर आक्रोश मार्च निकाला जाएगा। आजसू पार्टी ने साफ किया है कि वह जनसरोकार के मुद्दों को लेकर सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। आगामी कार्यक्रमों के जरिए संगठन को मजबूत करने और राज्यभर में कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की रणनीति पर चर्चा होगी।

रील्स के चक्कर में मालगाड़ी के इंजन तक पहुंची युवती, आरपीएफ ने किया केस

पलामू, एजेंसी। सोशल मीडिया पर लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स बढ़ाने की होड़ अब युवाओं पर भारी पड़ने लगी है। रेलवे परिसर में घुसकर और मालगाड़ी के इंजन में चढ़कर रील बनाना एक युवती को महंगा पड़ गया। पूर्व मध्य रेल के पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल अंतर्गत नबीनगर रोड आरपीएफ ने वायरल वीडियो की जांच के बाद युवती के खिलाफ रेल अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि 1 जून को काजरात नावाडीह रेलवे स्टेशन पर एक युवती द्वारा मालगाड़ी के इंजन में घुसकर वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया, वो वीडियो तेजी से वायरल हुआ। वीडियो सामने आने के बाद आरपीएफ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। खुफिया तंत्र और तकनीकी पड़ताल के आधार पर वीडियो में दिखाई दे रही युवती की पहचान डाल्टनगंज निवासी उर्मिला कुमारी के रूप में की गई। जांच में पता चला कि युवती अपने जीजा अजय प्रजापति के यहां काजरात नावाडीह आई हुई थी। इसी दौरान उसने रेलवे स्टेशन और मालगाड़ी के इंजन के अंदर वीडियो शूट कर इंस्टाग्राम और फेसबुक पर अपलोड कर दिया। आरपीएफ द्वारा समन जारी किए जाने के बाद युवती शनिवार को नबीनगर रोड आरपीएफ पोस्ट पहुंची, जहां स्वतंत्र महिला गवाहों की उपस्थिति में पूछताछ की गई। वायरल वीडियो दिखाए जाने पर उसने वीडियो बनाने और सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की बात स्वीकार कर ली। आरपीएफ ने युवती के खिलाफ रेलवे परिसर में अनधिकृत प्रवेश तथा उत्पात फैलाने के आरोप में रेल अधिनियम की धारा 147 और 145 के तहत मुकदमा अपराध संख्या 156/26 दर्ज किया है। धारा 147 रेलवे संपत्ति में अवैध प्रवेश से संबंधित है, जबकि धारा 145 रेलवे परिसर में उपद्रव और अनुशासनहीन गतिविधियों पर कार्रवाई का प्रावधान करती है। युवती के अनुरोध पर आरपीएफ इंस्पेक्टर प्रभारी आर।के। कच्छवाहा ने उसे बेल बॉन्ड पर रिहा करते हुए रेल न्यायिक दंडाधिकारी, डाल्टनगंज की अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

आने वाले समय में देश हित में कॉपर

क्रिटिकल मिनरल और कोयले की कई खदानें खोली जाएंगी: सतीश चंद्र दुबे

जमशेदपुर, एजेंसी। पीएम मोदी ने आज प्रधानमंत्री के तौर पर सबसे लंबे समय तक इस पद पर रहने का रिकॉर्ड बनाया है। इस उपलक्ष्य में जमशेदपुर के बिस्टुपुर स्थित चेंबर भवन में भाजपा द्वारा आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे शामिल हुए। केंद्रीय राज्य मंत्री ने मोदी सरकार के बारह वर्ष के कार्यकाल को विकसित भारत की तस्वीर बताया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश हित के लिए महत्वपूर्ण खदाने खोली जाएगी। झारखंड में खदानें चालू होने से बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा।

सम्मेलन का मुख्य विषय 12 साल विश्वास के, विकास के और जन कल्याण के रखा गया। सम्मेलन में जमशेदपुर लोकसभा सांसद विद्युत वरण महतो, जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र की विधायक पूर्णिमा साहू के अलावा भाजपा जिला अध्यक्ष मौजूद रहे। कार्यक्रम में केंद्र सरकार के पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित भारत के संकल्प को लेकर चर्चा की गई।केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की शासन व्यवस्था की सोच और कार्यशैली को बदलने का कार्य किया है। सेवा, सुशासन और अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखते हुए यह सुनिश्चित किया गया कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, महिला, युवा, वंचित और जनजातीय समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का जो संकल्प प्रधानमंत्री ने लिया था, वह आज देश के कोने-कोने में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज आत्मविश्वास, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनभागीदारी और सामूहिक संकल्प के बल पर विकसित भारत 2047 का लक्ष्य निश्चित रूप से पूरा होगा।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने कहा कि देश के विकास और आर्थिक मजबूती के लिए झारखंड की प्रचुर खनिज संपदा का सही और व्यापक दोहन अत्यंत आवश्यक है। इससे न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। उन्होंने बंद पड़ी कॉपर खदानों के संदर्भ में कहा कि वर्तमान समय में देश के विकास के लिए तांबा एक महत्वपूर्ण खनिज है। उन्होंने लंबे समय से केंदाडीह मे बंद पड़ी कॉपर खदान के सफलतापूर्वक दोबारा चालू होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और इस पहल के लिए स्थानीय सांसद विद्युत वरण महतो के निरंतर प्रयासों की सराहना की।

केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री ने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में देश हित में कॉपर, क्रिटिकल मिनरल महत्वपूर्ण खनिज और कोयले की कई अन्य खदानें भी खोली जाएंगी। कोल गैसीकरण परियोजना पर कहा कि यह पीएम नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट यानी महत्वाकांक्षी परियोजना है। भारत सरकार ने इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए 37,500 करोड़ रुपये का विशाल कोष आवंटित किया है।

उन्होंने बताया कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सरकार देश के विभिन्न हिस्सों में रोड शो कर रही है। हैदराबाद में रोड शो संपन्न हो चुका है, जबकि महाराष्ट्र और दिल्ली में भी ऐसे बड़े आयोजन प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि टेंडर प्रक्रिया शुरू होते ही कंपनियों को आमंत्रित कर काम में तेजी लाई जाएगी। राज्यों के सहयोग पर स्थिति स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना से कोई भी राज्य वंचित नहीं रहेगा।

16-18 जून तक मोरहाबादी मैदान में आयोजित होगा कृषि व्यापार मेला, मुख्यमंत्री करेंगे उदघाटन

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार कृषि क्षेत्र में नई तकनीक और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए कृषि व्यापार मेला आयोजित कर रही है। यह मेला 16 से 18 जून तक मोरहाबादी मैदान में लगेगा। मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। तीन दिवसीय इस आयोजन में किसानों, व्यापारियों, उद्योगपतियों और वैज्ञानिकों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया गया है।

मेले में 50 से अधिक वैज्ञानिक और विशेषज्ञ विभिन्न विषयों पर व्याख्यान देंगे। किसानों का निशुल्क पंजीकरण होगा। कृषि व्यापार मेला को लेकर मंगलवार को नेपाल हाउस स्थित सचिवालय में कृषि विभाग की उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने की। बैठक में कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीख पी, कृषि निदेशक विद्यानंद शर्मा पंकज सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

कृषि निदेशक विद्यानंद शर्मा पंकज ने बताया कि मोरहाबादी मैदान में आयोजित यह मेला किसानों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। देश के विभिन्न राज्यों से कृषि व्यापार से संबंधित स्टॉल लगाए जाएंगे। मेले में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी नई तकनीक, इनोवेशन और कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली पद्धतियों का प्रदर्शन किया जाएगा। मत्स्य पालन, बागवानी (हॉर्टीकल्चर) समेत आधुनिक कृषि तकनीकों पर विशेष फोकस रहेगा।

मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने वाले आंदोलनकारियों को पुलिस ने रोका

रांची, एजेंसी। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के तले बुधवार यानी 10 जून को बड़ी संख्या में आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पहुंचे। इसमें रांची के अलावा लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सिमडेगा, रामगढ़, दुमका सहित अन्य जिलों से आंदोलनकारी शामिल हुए। आंदोलनकारी पहले मोरहाबादी मैदान में जुटे जहां से वे ढोल मांदर, नगाड़ा और झंडा के साथ मुख्यमंत्री आवास की तरफ बढ़े।

आंदोलनकारियों को सिदो कान्हो पार्क से पहले ही पुलिस ने बेरीकेडिंग कर रोक दिया। जिसके बाद वे सड़क पर ही बैठ गए और जय झारखंड की नारेबाजी करते रहे। आंदोलनकारियों के समूह में दुमका से आई गीता मुर्मू भी थी। वह अपने 10 साल के बेटे देव मरांडी को लेकर आई थी।

प्रदर्शन और घेराव का नेतृत्व संगठन के संस्थापक और प्रधान सचिव पुष्कर महतो सहित अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता ने किया। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा झारखंड आंदोलनकारियों के राजकीय मान सम्मान, पेंशन राशि, मुआवजा, आश्रितों की नौकरी और रोजगार की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलनरत है।

रांची में ट्रैफिक सिग्नल लाइट की संख्या बढ़ाई जाएगी, स्मार्ट सिटी को भेजा गया प्रस्ताव

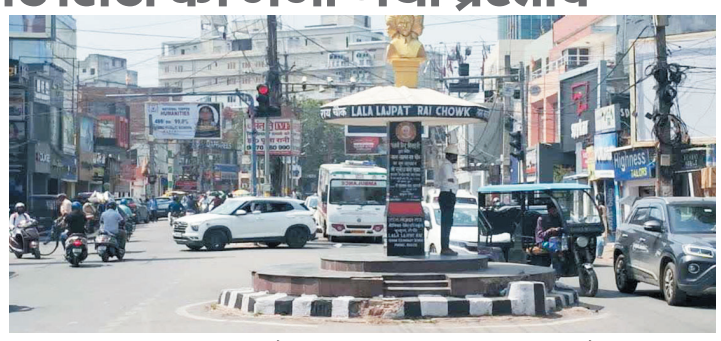

रांची, एजेंसी। राजधानी में ट्रैफिक सिग्नल की संख्या बढ़ाने की कवायद शुरू कर दी गई है। इसके लिए रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने स्मार्ट सिटी को प्रस्ताव भेजा है। रांची शहर में वाहनों का बोझ लगातार बढ़ रहा है। वाहनों की बढ़ती संख्या की वजह से सुचारू यातायात में भी समस्या खड़ी हो रही है और मानव बल ज्यादा लगाना पड़ रहा है। ऐसे में यातायात समस्या को देखते हुए रांची के कांटाटोली समेत 25 नए स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल लाइट लगाने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

इन सिग्नल लाइटों के लगने से शहर में यातायात नियंत्रण और अधिक प्रभावी होगा तथा लोगों को जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। रांची ट्रैफिक पुलिस ने शहर के विभिन्न व्यस्त और दुर्घटना संभावित चौराहों का सर्वेक्षण कर नए सिग्नल लगाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया है। यह प्रस्ताव स्मार्ट सिटी परियोजना को भेज दिया गया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद चरणबद्ध तरीके से सभी चिन्हित स्थानों पर सिग्नल लाइट लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस द्वारा जिन स्थानों को चिन्हित किया गया है, उनमें कांटाटोली क्षेत्र प्रमुख है। इसके अलावा शहर के अन्य व्यस्त मार्गों और चौराहों को भी सूची में शामिल किया गया है, जहां प्रतिदिन भारी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। इन स्थानों पर सिग्नल नहीं होने के कारण अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न होती है।

वर्तमान में रांची शहर में करीब 40 स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल लाइट लगी हुई हैं, जिनके माध्यम से यातायात का संचालन किया जा रहा है, हालांकि शहर के विस्तार और वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त सिग्नलों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए नए स्थानों का चयन किया गया है। वहीं, शहर के कई चौराहों में ट्रैफिक सिग्नल लाइट खराब है, जिससे मैनुअल ही ट्रैफिक कंट्रोल किया जा रहा है। रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने बताया कि ट्रैफिक सिग्नल लाइट बढ़ाए जाने का प्रस्ताव स्मार्ट सिटी को भेजा गया है। प्रस्ताव पर मंजूरी मिलने के बाद कांटाटोली के अलावा अन्य जगहों को चिन्हित किया जाएगा, ताकि लाइट लगायी जा सके। नए ट्रैफिक सिग्नल लगने से प्रमुख चौराहों पर वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित होगी। इससे जाम की समस्या कम होने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आने की संभावना है।

धनबाद में रिटायर्ड बीसीसीएल कर्मी के खाते से 35 लाख से ज्यादा की ठगी, पीड़ित ने लगाई न्याय की गुहार

धनबाद, एजेंसी। एक सेवानिवृत्त बीसीसीएल कर्मी की जीवनभर की जमा पूंजी पर साइबर ठगों ने हाथ साफ कर दिया है। लोयाबाद निवासी वासदेव ठाकुर ने आरोप लगाया है कि उनके पीएफ खाते से फर्जी चेक और जाली हस्ताक्षर के जरिए 35 लाख 50 हजार रुपये निकाल लिए गए। मामले में बैंक कर्मियों और दलालों की मिलीभगत की आशंका जताते हुए पीड़ित परिवार न्याय और रकम वापसी की मांग के लिए अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठा है।

पीड़ित वासदेव ठाकुर के मुताबिक, अक्टूबर 2025 में बीसीसीएल से सेवानिवृत्ति के बाद उनके खाते में पीएफ की राशि के रूप में 35।5 लाख रुपये जमा हुए थे। आरोप है कि कुछ लोगों ने फर्जी दस्तावेज, जाली हस्ताक्षर और नकली चेक का इस्तेमाल करके खाते से पूरी रकम निकाल ली। जब उन्हें इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने तत्काल पुलिस और बैंक अधिकारियों से शिकायत की।

जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि ठगी की रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी। बताया जा रहा है कि राशि का कुछ हिस्सा मणिपुर और तेलंगाना स्थित खातों में भेजा गया है। पुलिस कार्रवाई में अब तक करीब 3।5 लाख रुपये रिकवर किए जा चुके हैं लेकिन शेष लगभग 32 लाख रुपये की बरामदगी नहीं हो सकी है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि मामले में शामिल लोगों पर अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

न्याय की मांग को लेकर पीड़ित परिवार सोमवार से रणधीर वर्मा चौक पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठा है। परिजनों का कहना है कि जब तक ठगी की पूरी राशि वापस नहीं मिल जाती है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती है, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। पीड़ित का आरोप है कि महीनों बीत जाने के बावजूद उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है जबकि उनकी मेहनत की कमाई अब भी वापस नहीं हो पाई है। राज्य में एक तरफ साइबर अपराध पर लगाम लगाने के दावे किए जा रहे हैं। दूसरी तरफ रिटायर्ड कर्मियों की जीवनभर की कमाई पर ठगों की नजर बनी हुई है।

चलती स्कूटी पर स्टंटबाजी पड़ी भारी, वीडियो वायरल होते ही कटा 5000 का चालान

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची में सड़क पर स्टंटबाजी करना दो युवकों को महंगा पड़ गया। दलादिली चौक के पास चलती स्कूटी पर खतरनाक स्टंट दिखाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई की।

वीडियो सामने आते ही ट्रैफिक पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और वाहन की पहचान शुरू की। स्कूटी का नंबर जेएच 01 डीएन 2274 पाया गया। ट्रैफिक एसपी के निर्देश पर पर 5,000 रुपये का चालान किया गया है।

वायरल वीडियो में दो युवक स्कूटी पर सवार होकर यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी करते नजर आए। वीडियो में स्कूटी ड्राइवर ने हेलमेट पहना है लेकिन पीछे बैठा शख्स बिना हेलमेट के है। वीडियो में युवकों को चलती स्कूटी पर जोखिम भरे स्टंट करते देखा जा सकता है। उनकी यह लापरवाही न केवल उनकी जान के लिए गंभीर खतरा बन सकती थी, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा को भी जोखिम में डाल सकती थी। सड़क पर इस तरह की लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती थी।

विधायक दशरथ गागराई ने रायजामा का किया दौरा, प्राकृतिक जल स्रोतों का लिया जायजा

रायजामा, एजेंसी। खरसावां विधायक दशरथ गागराई ने पीएचइडी के इंजीनियर्स के साथ रायजामा, मुनगाटोला और फेचांगटोला का दौरा कर पानी की समस्या के समाधान की पहल की। फिलहाल तीनों ही गांव के पास स्थित पहाड़ियों के बीच से निकलने वाले प्राकृतिक जल स्रोतों को ग्रामीणों ने पाइपलाइन और बांस के सहारे अपने टोलों तक पहुंचाकर पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था तैयार की है। इसी पानी से तीनों ही गांवों के लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए पानी मिल रहा है।

विधायक दशरथ गागराई ने पीएचइडी के अभियंताओं के साथ प्राकृतिक जल स्रोतों का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति को देखा। उन्होंने प्राकृतिक जल स्रोतों से पानी साफ करने की व्यवस्था कर घरों तक पानी पहुंचाने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक जल स्रोतों से खेती में सिंचाई समेत अन्य जरुरतों को लोग पूरा कर सकेंगे।

विधायक दशरथ गागराई ने उम्मीद जताई है कि पेयजल समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा। इसके लिए राशि की कमी नहीं होगी। जरूरत पड़ने पर विधायक फंड से राशि उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही विधायक फंड से दो चबुतरा बनाने की भी बात कही। पीएचइडी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ललित इंदूवार ने कहा कि जल्द ही डीपीआर तैयार कर सौंप दिया जाएगा। मौके पर मुख्य रूप से पीएचइडी एई मांगीलाल गिलुवा, जेई प्रकाश रंजन गुप्ता, ग्रामीण सायना सरदार, उपेंद्र सरदार, जगन सरदार, लखन सरदार, अरुण जमुदा, गुरुचरण लोहार, लालू हांसदा, लक्ष्मण सरदार, मनो सरदार, रुइया सरदार, साधु चरण सोय, राम हांसदा आदि मौजूद थे।

खरसावां-रड़गांव मुख्य मार्ग पर रांची के तमाड़ क्षेत्र से सटा रायजामा, फेचांगटोला और मुनगाटोला आदि गांव वर्ष 2023-24 तक घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता था। पिछले दो वर्षों में नक्सली गतिविधियां समाप्त होने के बाद अब यहां विकास की नई उम्मीद जगी है। ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से करीब 600 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित प्राकृतिक जल स्रोतों से पाइप और बांस जोड़कर पानी को गांव तक पहुंचाया है। चूंकि पानी ऊंचाई से आता है, इसलिए बिना किसी मोटर या पंप के भी तेज गति से नीचे पहुंच जाता है। रायजामा की पहाड़ियों में वर्ष भर पानी का प्रवाह बना रहता है, जिससे खेतों की सिंचाई भी हो जाती है। समय-समय पर पाइप और बांस की मरम्मत भी ग्रामीण खुद मिलकर करते हैं।

71 परिवारों वाले रायजामा गांव में सरकार की एक सोलर संचालित मिनी जलमीनार चालू है। लेकिन इससे ग्रामीणों की जरूरतें पूरी नहीं हो पाती है। वहीं करीब 12 परिवारों वाले फेचांगटोला की स्थिति और भी खराब है। यहां एक भी चापाकल या जलमीनार नहीं है। इस टोला के लोग पूरी तरह पहाड़ी से निकलने वाले प्राकृतिक शीतल जल पर ही निर्भर हैं। इसी पानी से उनका खाना बनता है और घरेलू काम होते हैं। मुनगाटोला में एक सोलर संचालित जल मीनार है, लेकिन पाइप लाइन में लिकेज के कारण परेशानी होती है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह प्राकृतिक जलस्रोत उनके लिए जीवनरेखा है, लेकिन बारिश के मौसम में स्थिति चुनौतीपूर्ण हो जाती है। पहाड़ियों से बहकर आने वाली चिकनी मिट्टी और गाद मिलने से पानी गंदा हो जाता है। ग्रामीणों का मानना है कि उनकी यह आत्मनिर्भरता अस्थायी राहत तो दे रही है, लेकिन सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल के स्थायी समाधान के लिए गांव तक सरकारी जलापूर्ति योजना का पहुंचना जरूरी है।

खुद के वाहन से कुचला गया मालिक, परिजनों ने लगाया गंभीर आरोप

गिरिडीह, एजेंसी। मालवाहक के साथ निकले एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। युवक की मौत वाहन द्वारा कुचलने से हुई है। जिसके बाद परिजनों ने तीन युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि दो आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। घटना मुफस्सिल थाना इलाके के चौराही की है। मृतक इसी थाना इलाके के बजटो पंचायत अंतर्गत टाटोक्यारी का निवासी था।

घटना को लेकर परिजन और गांव के लोगों का कहना है कि रामू दास के पिकअप वाहन को डीजे के लिए तीन युवकों ने बुक किया था। बुकिंग से निकलने के बाद वह वापस नहीं लौटा। इस बीच पता चला कि चौराही में रामू दास की उसी के वाहन से कुचलकर मौत गई। यहां लोगों ने देखा कि लाश पड़ी हुई थी। पुलिस को सूचित किया गया और शव को अस्पताल भेजा गया। वहीं बजटो के पूर्व मुखिया जनार्दन साव और स्थानीय घनश्याम बताते हैं कि तीन लोगों के साथ रामू माड़ी (देसी शराब) पी रहा था। इसके बाद उसकी मौत हुई है। रामू की मौत उसके ही वाहन से कुचलकर हुई है।इधर, वाहन से कुचलकर जान लेने के आरोपों की जांच कर रहे एसडीपीओ सदर जीतबाहन उरांव के साथ मुफस्सिल थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर श्याम किशोर महतो चौराही पहुंचे। यहां उस जगह को देखा गया, जहां रामू दास का शव पड़ा था। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास रहने वाले लोगों से बात की।

संक्षिप्त समाचार

किराए के मकान में रहने वाले लोगों को भी मिलेगी सरकारी बिजली योजना का लाभ

पटना, एजेंसी। बिहार में घर-घर बिजली पहुंचाने को लेकर सरकार लगातार कई फैसले ले रही है। मुफ्त बिजली देने का भी ऐलान किया। इस बीच अब राज्य में किराए के मकान में रहने वाले लोगों को भी सरकारी बिजली योजना का लाभ मिलेगा। इसके तहत उन्हें सरकार की ओर से दी जा रही बिजली सब्सिडी योजना का लाभ मिलेगा।जानकारी के मुताबिक, इसमें कोई कोताही बरती जायेगी तो ऊर्जा विभाग संज्ञान लेगा और दोषी पाए जाने पर संबंधित मकान मालिकों पर कार्रवाई भी होगी। इसे लेकर बिजली मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने मीडिया के सवाल पर यह जानकारी दी। मंत्री शैलेश कुमार ने स्पष्ट किया कि राज्य में सरकारी बिजली की योजना का लाभ सभी को देना सरकार की प्राथमिकता है। इसमें किरायेदार भी शामिल हैं।मंत्री शैलेश कुमार ने कहा कि किरायेदारों से सरकार की तरफ से निर्धारित बिजली दरों के अनुसार ही रुपये लिया जाना चाहिए। अगर कहीं अनियमितता या फिर अधिक वसूली की शिकायत सामने आती है, तो विभाग संज्ञान लेकर मामले की जांच करेगा। जानकारी के मुताबिक, मंत्री शैलेश कुमार से किराएदारों से ज्यादा बिजली बिल लिए जाने से जुड़ा सवाल किया गया था, जिसे लेकर उन्होंने जवाब दिया।

जिसे नीतीश कुमार ने किया था सम्मानित, उसे अपराधियों ने गोलियों से भून डाला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर में अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस का एक और मामला सामने आया है। जिले के बोचहा थाना क्षेत्र के चकेलाल गांव निवासी किसान एवं नर्सरी संचालक राजू कुमार चौधरी (40) की मंगलवार को दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। राजू चौधरी कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए मुख्यमंत्री से सम्मानित हो चुके थे। घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार, राजू कुमार चौधरी अपने गांव स्थित किराना दुकान पर बैठे लहसुन छील रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन अज्ञात अपराधी वहां पहुंचे। पहले उन्होंने सामान खरीदने की बात की और फिर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली राजू चौधरी के सिर में लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद वहां मौजूद लोगों ने राजू चौधरी को तत्काल इलाज के लिए एसकेएमसीएच पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, राजू कुमार चौधरी एक मेहनती और प्रगतिशील किसान थे। कृषि और नर्सरी के क्षेत्र में उनके योगदान की वजह से उन्हें समाज में विशेष सम्मान प्राप्त था। घटना की सूचना मिलते ही बोचहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर एसकेएमसीएच पहुंचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली।

गयाजी में निगरानी की छापेमारी, 9 हजार रिश्वत लेते चौकीदार रंगे हाथ गिरफ्तार

बेलागंज, एजेंसी। गयाजी जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र में निगरानी विभाग ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। निगरानी ने चौकीदार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। आरोपी की पहचान मनीष कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार कांड संख्या 689/23 से जुड़े एक मामले में पैसे की मांग और लेन-देन की शिकायत निगरानी विभाग को मिली थी। शिकायत मिलने के बाद विभाग ने पहले मामले का सत्यापन कराया। आरोप सही पाए जाने के बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर कार्रवाई की। निगरानी विभाग की टीम ने बेलागंज थाना के समीप स्थित अस्पताल परिसर में कार्रवाई करते हुए चौकीदार मनीष कुमार को 9,000 रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। जैसे ही रिश्वत की रकम का लेन-देन हुआ, टीम ने तत्काल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। निगरानी विभाग के डीएसपी समीर चंद्र झा ने बताया कि बेलागंज थाना कांड संख्या 689/23, जो एक जमीन विवाद से संबंधित है। इस मामला में परिवादी रविंद्र यादव के पुत्र का नाम केस से हटाने के एवज में कुल 12 हजार रुपये रिश्वत मांगी गई थी। आरोप है कि 3 हजार रुपये पहले ही लिए जा चुके थे, जबकि शेष 9 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। कार्रवाई की खबर फैलते ही थाना परिसर और आसपास के इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों के बीच मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। अचानक हुई इस कार्रवाई से सरकारी कर्मियों में भी हलचल देखी गई। गिरफ्तारी के बाद निगरानी विभाग की टीम आरोपी चौकीदार को अपने साथ लेकर चली गई। विभागीय अधिकारी अब उससे पूछताछ कर मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रहे हैं। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि रिश्वतखोरी के इस मामले में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है या नहीं। निगरानी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है और नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

गया जी के लाल मेजर आशीष कुमार को मिला शौर्य चक्र,

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया सम्मानित

गया जी, एजेंसी। गया जी जिले के कोंच बाजार निवासी मेजर आशीष कुमार को उनकी अदम्य वीरता, साहस और उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के लिए देश के प्रतिष्ठित शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह-26 (फेज-1) के दौरान प्रदान किया। इस उपलब्धि के बाद कोंच समेत पूरे गया जी जिले में खुशी और गर्व का माहौल है।

मेजर आशीष कुमार भारतीय सेना की 7 पैरा (स्पेशल फोर्सेस) में तैनात हैं। नवंबर 2024 में जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग क्षेत्र में चलाए गए एक महत्वपूर्ण आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान उन्होंने असाधारण साहस और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने मिशन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

ऑपरेशन के दौरान मेजर आशीष कुमार ने अपनी सुरक्षा की चिंता किए बिना पूरे दस्ते, सहायक हथियार इकाइयों और स्नाइपर टीमों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित किया। उनकी रणनीति, सूझबूझ और नेतृत्व के कारण सेना का अभियान सफलतापूर्वक पूरा हुआ और सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली।

सेना के इस सफल ऑपरेशन में दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया। अधिकारियों के अनुसार अभियान की सफलता में मेजर आशीष कुमार की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। उनके साहसिक नेतृत्व और वीरता को देखते हुए उन्हें शौर्य चक्र जैसे प्रतिष्ठित वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों शौर्य चक्र प्राप्त करना मेजर आशीष कुमार और उनके परिवार के लिए गौरवपूर्ण क्षण रहा। इस सम्मान ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे गया जिले और बिहार का नाम रोशन किया है।

मेजर आशीष कुमार को शौर्य चक्र मिलने की खबर जैसे ही कोंच पहुंची, पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने इस उपलब्धि पर गर्व जताया। कोंच प्रमुख मनी देवी, एलजेपी नेता कमलेश शर्मा और सुनील कुमार सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मेजर आशीष कुमार का परिवार कोंच में व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। एक सामान्य परिवार से निकलकर भारतीय सेना की स्पेशल फोर्सेस में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाना और फिर शौर्य चक्र जैसे सम्मान से नवाजा जाना युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है। मेजर आशीष कुमार की यह उपलब्धि बताती है कि समर्पण, साहस और देशसेवा की भावना से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उनकी वीरता की कहानी अब कोंच ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी है।

गोपालगंज में बॉयफ्रेंड की चाकू गोदकर हत्या

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज में गर्लफ्रेंड के भाई ने उसके बॉयफ्रेंड की चाकू गोदकर हत्या कर दी। मर्डर के बाद उसे घर से करीब 6 चद्र चावर (पानी से भरे गड्ढे) में फेंक दिया। उसने मृतक के भाई को वॉट्सएप पर धमकी भी दी। आरोपी ने लिखा, 'दोबारा किसी राजपूत की लड़की को छेड़ने की कोशिश मत करना।' हालांकि, मृतक के भाई ने किसी तरह के अफेयर से इनकार किया है। मृतक की पहचान सुहागपुर गांव अनीश कुमार(23) के रूप में हुई है।

घटना के बाद आरोपी फरार बताया जा रहा है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना हथुआ थाना क्षेत्र की है।

मृतक के परिजन के अनुसार, अनीश कुमार रविवार शाम घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद परिजन ने हथुआ थाना में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू

की। खोजबीन के दौरान पुलिस ने घर से करीब 6 किलोमीटर दूर बंगरा चंवर से अनीश कुमार का शव बरामद किया।

मृतक के भाई मुकेश कुमार ने बताया, 'विनोद सिंह राजपूत ने मेरे भाई के लापता होने के बाद एक मैसेज भेजा था। जिसमें लिखा था- तुम्हारे भाई का मेरी बहन से चक्कर था। हम उसे काफी दिनों से समझा रहे थे, लेकिन वह नहीं मान रहा था। उल्टा उसने हमें ही धमकी दी और कहा कि आप मेरे बीच से हट जाइए। हम दोनों एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं तथा शादी भी करेंगे। इसलिए हमने उसे मरवा कर खेत (चावर) में फेकवा दिया। दोबारा किसी राजपूत की बेटी को छेड़ने की कोशिश मत करना।स्थानीय लोगों के अनुसार, अनीश कुमार का पड़ोस की ही एक युवती के साथ प्रेम संबंध था।

पटना में फिर से शुरू होगी मेगा स्क्रीनिंग, अब हर वीकेंड फ्री में देख सकेंगे फिल्में

पटना, एजेंसी। पटना के लोगों के लिए अच्छी खबर है। गांधी मैदान गेट नंबर-4 के पास लगी मेगा स्क्रीन को एक बार फिर शुरू किया जा रहा है। अब शहरवासी हर शनिवार और रविवार शाम 6 बजे से फ्री में फिल्में देख सकेंगे। शुरुआत लोकप्रिय फिल्म पुष्पा से होगी। 13 जून को पुष्पाः द राइज (पुष्पा 1) और 14 जून को पुष्पा 2 का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा क्रिकेट मैचों और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी लाइव प्रसारण होगा।

पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने इस मेगा स्क्रीन की शुरुआत साल 2021 में की थी। कुछ वर्षों से यह स्क्रीन बंद थी, लेकिन अब इसे फिर से आम लोगों के लिए खोला जा रहा है। करीब 70 फीट लंबी और 40 फीट ऊंची यह विशाल स्क्रीन एक साथ लगभग 5 हजार दर्शकों को फिल्म देखने की सुविधा देती है। इसकी खासियत यह है कि इसे दूर से भी आसानी से देखा जा सकता है।

मेगा स्क्रीन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि दर्शक 30 फीट से लेकर 320 फीट तक की दूरी से भी फिल्म का आनंद ले सकते हैं। इसमें फुल एचडी प्रोजेक्शन, एडवांस एज-ब्लेंडिंग तकनीक और डॉल्बी डिजिटल सराउंड साउंड सिस्टम लगाया गया है। यही वजह है कि खुले मैदान में भी थिएटर जैसा अनुभव मिलता है।

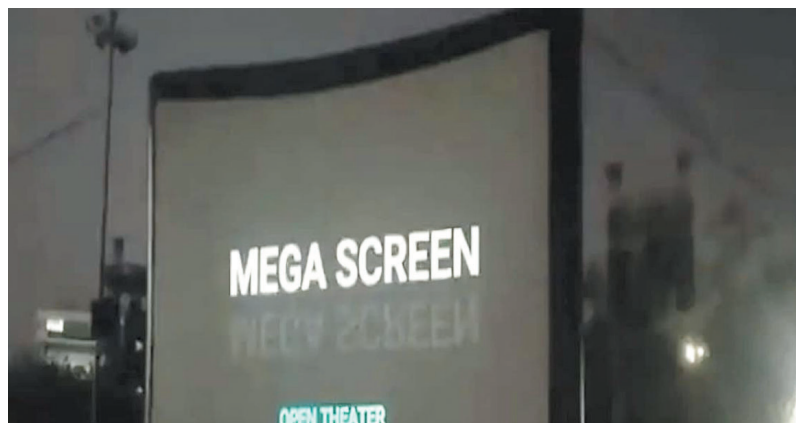

पटना स्मार्ट सिटी मिशन के तहत स्थापित इस स्क्रीन को देश की सबसे बड़ी आउटडोर स्क्रीन माना जाता है। देश के कई शहरों जैसे मुंबई, दिल्ली और बड़ोदरा में ड्राइव-इन थिएटर मौजूद हैं, लेकिन वहां दर्शकों की क्षमता सीमित रहती है। पटना की यह स्क्रीन आकार और दर्शक क्षमता दोनों के मामले में अलग पहचान रखती है। यहां एक समय में हजारों लोग बैठकर कार्यक्रम देख सकते हैं।

गांधी मैदान की यह मेगा स्क्रीन इनफ्लेटेबल तकनीक पर आधारित है। यानी हर शो से पहले इसमें हवा भरकर इसे ट्रस सिस्टम की मदद से खड़ा किया जाता है। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद स्क्रीन को फिर से समेटकर सुरक्षित रख दिया जाता है। इस पूरे पर्दे का वजन करीब 1200 किलोग्राम है।

इस परियोजना की एक और खास बात यह है कि इसके लिए कोई स्थायी निर्माण नहीं किया गया है। इसलिए गांधी मैदान का उपयोग पहले की तरह रैली, मेला, प्रदर्शनी, प्रशिक्षण शिविर और अन्य बड़े आयोजनों के लिए किया जा सकेगा।अब वीकेंड पर पटना के लोगों को मनोरंजन का नया ठिकाना मिलने जा रहा है, जहां परिवार और दोस्तों के साथ बिल्कुल मुफ्त में फिल्मों और बड़े आयोजनों का आनंद लिया जा सकेगा।

बिहार में बड़ा हादसा: कोसी नदी में 13 किसानों से भरी नाव पलटी, तीन महिला किसान लापता

दरभंगा, एजेंसी। बिहार के दरभंगा में 13 किसानों से सवार नाव पलट गयी। जानकारी के अनुसार सभी किसान नदी पार कर खेत में मूंग तोड़ने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान नाव अनियंत्रित होकर पलट गयी। इसमें 3 महिला किसान लापता बतायी जा रही हैं। सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम लापता महिलाओं की तलाश कर रही है।

कोसी नदी की तेज धार में बिगड़ा संतुलनः घटना जिले के जमालपुर थानाक्षेत्र के तरवारा घाट के रिंग बांध के पास की है। जानकारी के अनुसार करीब 13 किसान एक ही नाव पर सवार होकर कोसी नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान नदी में नाव का संतुलन बिगड़ गया। तेज धार में नाव होने के कारण उसमें पानी भरने लगा और फिर देखते ही देखते नाव पलट गयी।

तैरकर बचे लोग, तीन महिलाएं नदी में डूबीं: नाव पलटने के बाद उसमें सवार लोग किसी तरह तैरकर किनारे पहुंचे और अपनी जान बचा पाए, लेकिन तीन महिला किसान तेज धार में फंस गयीं। इसके कुछ देर बाद ही वह लापता हो गयीं। जान बचाने वाले किसानों ने तुरंत इसकी जानकारी स्थानीय प्रशासन को दी। घटना के बाद नदी किनारे लोगों की भारी भीड़ जुट गयी है।

अधिकारियों ने लिया घटनास्थल का जायजाः नाव में 13 किसान सवार थे, जिसमें अधिकांश महिला किसान शामिल थीं। इसमें से तीन महिला किसान लापता हो गयी हैं। सूचना मिलने के बाद बिरौल एसडीओ शशांक राज और एसडीपीओ प्रभाकर तिवारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि एसडीआरएफ की टीम लापता लोगों की तलाश कर रही है।

खुले आसमान के नीचे मेगा स्क्रीन पर देख सकेंगे मूवी

पटना- वीकेंड पर दिखाया जाएगा फ्री शो, 5 हजार दर्शक देख सकते; इस वीक पुष्पा दिखाई जाएगी

पटना, एजेंसी। पटनावासी फ्री में मेगा स्क्रीन पर फिल्मों का आनंद ले सकते हैं। दरअसल, गांधी मैदान गेट नंबर-4 के पास लगे मेगा स्क्रीन को फिर से शुरू किया जा रहा है। अब हर शनिवार और रविवार शाम 6 बजे से फिल्म दिखाया जाएगा। इस शनिवार और रविवार को पुष्पा फिल्म दिखाई जाएगी।

13 जून को पुष्पा 1 और 14 जून को पुष्पा 2 का दर्शक आनंद ले सकते हैं। फ़िल्मों के अलावा क्रिकेट और कई सांस्कृतिक आयोजनों को भी दिखाया जाएगा।

एक साथ 5,000 दर्शक देख सकते शो

पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा इस मेगा स्क्रीन की शुरुआत 2021 में की गई थी। बीच में ये स्क्रीन कई सालों से बंद पड़ी थी। 70 फीट म 40 फीट आकार की यह विशाल स्क्रीन शहर की प्रमुख सार्वजनिक सुविधाओं में से एक है, जिसे लगभग 70 से 320 फीट की दूरी से भी आसानी से देखा जा सकता है। लगभग 5,000 लोगों की

क्षमता वाली इस व्यवस्था में फुल एचडी पिक्चर, एज-ब्लेंडिंग तकनीक और डॉल्बी डिजिटल सराउंड साउंड सिस्टम की सुविधा उपलब्ध है।

320 फीट तक की दूरी से देख सकेंगे

पटना स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत गांधी मैदान में लगा मेगा स्क्रीन देश का सबसे बड़ा आउटडोर स्क्रीन है, जहां लोग फ्री में फिल्म आदि का लुत्फ उठा सकते हैं। बडोदरा, मुंबई, दिल्ली आदि में ड्राइव-इन थियेटर हैं, जहां लोग अपनी गाड़ियों में बैठकर फिल्में देखते हैं।

जबकि पटना की मेगा स्क्रीनिंग ना केवल लंबाई और चौड़ाई में उन स्क्रीन से बड़ा है, बल्कि इसे 30 से लेकर 320 फीट तक की दूरी से देखा जा सकता है। इसे औसतन पांच हजार लोग एक बार में देख सकते हैं। डॉल्बी डिजिटल सराउंडिंग साउंड सिस्टम से इस पर्दे पर फिल्म देखने का लुत्फ दोगुना हो जाता है। वहीं, देश के अन्य शहरों में अवस्थित आउटडोर स्क्रीन पर अधिकतम 650-1000 लोग एक साथ फिल्म देख सकते हैं।

गांधी मैदान का मेगा स्क्रीन इनफ्लेटेबल

गांधी मैदान का मेगा स्क्रीन इनफ्लेटेबल है। हर शो से पहले उसमें हवा भरकर उसे ट्रस के माध्यम से खड़ा किया जाता है। साथ ही शो खत्म होने पर स्क्रीन पैक कर दिया जाता है। इस पर्दे का कुल वजन 1200 किलो है। इस परियोजना में कोई भी स्थायी निर्माण नहीं किया गया है, जिससे गांधी मैदान का उपयोग अन्य आयोजनों जैसे रैली, मेला, प्रदर्शनी, प्रशिक्षण शिविर आदि के लिए किया जा सकता है।

3 बीघा जमीन के लिए फायरिंग, पति की मौत, पत्नी बोलीं- घर के सामने झगड़ा रोका

बेगूसराय, एजेंसी। 'मेरे गेट के सामने चाचा ससुर रामजी राय और प्रमोद राय के बीच झगड़ा हो रहा था। ये 10 साल से 3 बीघा जमीन के लिए लड़ रहे है। सोमवार को फायरिंग भी हो रही थी। पति के मना करने पर पुलिस के सामने गोली मार कर उनका मर्डर कर दिया गया। 'ये कहना मृतक अजीत राय की पत्नी रीना का है।

दरअसल, बेगूसराय के दियारा इलाके में सोमवार को फायरिंग और मारपीट हुई। इस घटना में दो भाइयों को गोली लगी और एक की मौत हो गई। दो पक्षों में मारपीट का वीडियो सामने आया है।घटना बछवाड़ा थाना क्षेत्र के चमथा रैली गांव की है। मृतक की पहचान बछवाड़ा थाना क्षेत्र के चमथा रजौली लक्ष्मण टोल निवासी भरत राय के बेटे अजीत राय (35) के रूप में की गई है। इस गोलीबारी में अजीत का भाई दीपक राय (33) घायल है।

हत्या के बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। रात में लाश गांव पहुंची और मंगलवार को चमथा गंगा घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। जहां मृतक के 10 साल के बेटे कृष्ण कुमार ने मुखाग्नि दी है। घटना के बाद पुलिस दो संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

इस मामले में डीएसपी निखिल ने कहा है कि घायल और मृतक युवक के चाचा का आरोपियों से झगड़ा था। इसी में पत्थरबाजी हुई है। युवक के विरोध करने पर उसका मर्डर हुआ है।

खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करता था अजीत : आरोपी परिवार के सभी लोग फरार है, जिनके गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। घटना के बाद गांव में आक्रोश और तनाव की स्थिति बनी हुई है। क्योंकि, जिस अजीत राय की हत्या हुई, उसका इस जमीन विवाद से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं था। वह तो मक्का का कारोबार और खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।

3 बीघा जमीन का है झगड़ा : चमथा रैली गांव के रहने वाले रामजी राय और प्रमोद राय के

बीच तीन बीघा जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। रामजी राय इलाके का चर्चित भू-माफिया है। वह विवादित जमीन खरीद कर उस पर दबंगई के बल पर मारपीट करते हुए कब्जा करता है।

चमथा रैली गांव से करीब 4 किलोमीटर दूर दियारा इलाके में तीन बीघा जमीन को लेकर लगभग 10 साल से रामजी राय और रामपुकार राय के बीच विवाद चल रहा था। करीब 1 साल पहले राम पुकार राय ने वह जमीन प्रमोद राय को बेच दिया। जिसके बाद प्रमोद राय और रामजी राय के बीच बराबर विवाद हो रहा था।जमीन को लेकर दियारा में दो बार पहले भी गोली चल चुकी थी। सोमवार को इस जमीन को लेकर रामजी राय और प्रमोद राय के बीच फिर दियारा में ही विवाद हो गया। जहां 15 राउंड गोली चली, इसके बाद सब के सब खेत पर से भाग गए। इस दौरान रामजी राय का भाई लक्ष्मण राय भी खेत से गांव आ गया और घर से थोड़ी दूर स्थित बथान पर रुका हुआ था। इसी दौरान प्रमोद राय पक्ष के कुछ लोग आकर उसके साथ मारपीट करने लगे, तो भरत राय के बेटे अजीत राय खेत से लौट के दौरान झगड़ा देखकर रुका और मामले को शांत करवा दिया। इसके बाद सभी लोग घर आ गए।

अजीत के टैक्टर पर पहले लगी थी बुलेट : इसी दौरान गांव में रामजी राय और प्रमोदी राय के बीच फिर से झगड़ा होने लगा। दोनों ओर से ईट-पत्थर चलने लगे, तो ईंट आकर अजीत राय के ट्रैक्टर पर लग गई। फायरिंग में एक गोली भी अजीत के ट्रैक्टर पर लगी, तो अजीत घर से बाहर निकाला और उसने अपने दरवाजे के पास झगड़ा करने से रोका और सभी को हटा दिया। इसी बीच अजीत के हटते ही फिर से झगड़ा शुरू हो गया, तो अजीत और उसके भाई दीपक दरवाजे पर खड़े थे।

इसी बीच प्रमोदी राय की ओर से छत से गोली चलने लगी। जिसमें एक गोली अजीत के गर्दन और एक गोली उसके भाई दीपक के हाथ में लग गई। फिलहाल गांव में तनाव है, पुलिस की कार्रवाई हो रही है। लेकिन सबसे अधिक समस्या मृतक अजीत के परिवार के सामने हो गई है। अजीत की शादी साल 2012 में हुई थी और दो बेटा कृष्ण कुमार (10), रितेश कुमार (8) और एक बेटी मालती कुमारी (6) है।मृतक अजीत की पत्नी रीना देवी ने बताया कि हम लोग घर पर थे। उस दोनों में झगड़ा हुआ था, तो थाना से पुलिस भी आई हुई थी। पुलिस के सामने ही रोड़ेबाजी होने लगी और गोली चली। पहले से चल रहे विवाद के कारण प्रमोद राय ने अपने कुछ रिश्तेदारों और समर्थकों को घर पर बुलाकर रखा था।

संक्षिप्त समाचार

वॉरियर क्रिकेट एकेडमी ने जीता खिताब

अलीगढ़ , एजेंसी। जिला स्कूल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित जिला प्रीमियर लीग सीजन-2 को वॉरियर क्रिकेट एकेडमी ने जीत लिया। फाइनल में वॉरियर एकेडमी ने एटुजेड स्पोर्ट्स एकादश को 75 रनों से हराया। मंगलवार को राजेंद्र सिंह इंटरनेशनल स्कूल के मैदान पर खेले गए फाइनल में वॉरियर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 177 रन बनाए। यश वर्मा ने 58 रन और काव्य भारद्वाज ने 39 रन का योगदान दिया। जवाब में एटुजेड स्पोर्ट्स एकादश 102 रन पर सिमट गई। शिवा सैनी ने पांच विकेट लिए। शिवा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मुख्य अतिथि नगर मजिस्ट्रेट अतुल गुप्ता और स्कूल क्रिकेट एसोसिएशन भारत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष योगेश शर्मा ने विजेता और उपविजेता टीमों को सम्मानित किया। एटुजेड स्पोर्ट्स एकादश के अंकित यादव को प्लेयर ऑफ द सीरीज और सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना।

लीजेंड्स व स्ट्राइकर ने मैच जीते

अलीगढ़। हरदुआगंज में अलीगढ़ जूनियर क्रिकेट लीग के पांचवें मुकाबले में एमके लीजेंड्स ने एमके चैलेंजर को 72 रन से हराया। छठे मुकाबले में एमके स्ट्राइकर ने एमके ब्लॉस्टर को 27 रन से मात दी। एमके एलिगेरियन क्रिकेट अकादमी के मुख्य कोच मोहम्मद मंसूर अहमद ने बताया कि लीग का फाइनल बुधवार को अग्रसेन इंटर कॉलेज में खेला जाएगा।

पेपर लीक-महंगाई के विरोध में सपाइयों का प्रदर्शन, नोकझोंक

अलीगढ़ , एजेंसी। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, नीट परीक्षा में अनियमितताओं और प्रदेश में बढ़ते अपराधों के विरोध में मंगलवार को समाजवादी पार्टी छात्रसभा के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी पुलिस से नोकझोंक भी हुई। कार्यकर्ताओं ने प्रशासन पर दबाव बनाने और कार्यक्रम रोकने का आरोप लगाया। साथ ही कलेक्ट्रेट की दीवार पर ज्ञापन चिपकाया। प्रदर्शन का नेतृत्व समाजवादी छात्र सभा के महानगर अध्यक्ष मोहसिन मेवाती और मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव इमरान पठान ने किया। मोहसिन मेवाती ने कहा कि महंगाई ने आम जनता का जीवन प्रभावित कर दिया है और सरकार को मूल समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि प्रशासन ने ज्ञापन लेने में टालमटोल की, जिसके विरोध में उन्होंने डीएम और एडीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन चस्पा कर दिया। मौके पर सैयद फैजान अली, दानिश अली, फैजान पठान, हरिश्चंद्र, सरदार, प्रभाव सिंह, शारिक, आबिद मलिक आदि मौजूद रहे।

कानपुर-सागर हाईवे पर थमा यातायात, ट्रक खराब होने से लगा भीषण जाम, वाहनों की लगी लंबी कतारें

कानपुर, एजेंसी। कानपुर-सागर हाईवे पर मंगलवार सुबह से ही यात्रियों का बुरा हाल है। बिधनू थाना क्षेत्र के शंभुआ पुल के पास एक ट्रक के अचानक खराब हो जाने से हाईवे पर लंबा जाम लग गया। स्थिति इतनी विकट हो गई कि जाम का असर घाटमपुर क्षेत्र के पतारा कस्बे तक दिखाई दे रहा है। बता दें कि हाईवे पर भारी वाहनों का दबाव पहले से ही अधिक रहता है। ऐसे में बीच सड़क पर ट्रक खराब होने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई हैं। सुबह से जाम में फंसे मुसाफिरों और नौकरीपेशा लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पतारा कस्बे तक जाम फैलने से स्थानीय लोगों का निकलना भी दुश्वार हो गया है। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर पहुंची है, ताकि खराब ट्रक को सड़क से हटाकर यातायात को सुचारू रूप से बहाल किया जा सके। हालांकि, भारी ट्रैफिक लोड के कारण वाहनों को रेंग-रेंग कर चलना पड़ रहा है।

ट्रेनों और बसों में सीट के लिए हुई धक्का-मुक्की

अलीगढ़ , एजेंसी। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन मंगलवार को भी बसों व ट्रेनों में भीड़ रही। इस दौरान ट्रेनों में सीटों को लेकर धक्का-मुक्की भी देखने को मिली ।ईएमयू पैसेंजर ट्रेन, अलीगढ़- कानपुर मेमू, महाबोधि, गोमती एक्सप्रेस ट्रेन के आते ही घर लौटने के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंच गए। शाम को स्पेशल ट्रेन का संचालन किया गया। स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आरपीएफ व जीआरपी के जवानों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों की भीड़ को देखते हुए विशेष इंतजाम किए गए हैं। स्पेशल ट्रेन चलाने के साथ ही कुछ ट्रेनों का अलीगढ़ स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव दिया गया है ।उधर, रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि अभ्यर्थियों की भीड़ को देखते हुए स्थानीय मार्गों पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया गया।

आंधी तूफान और बारिश ने मचाई भारी तबाही

दर्जनों पेड़-होर्डिंग और खंभे गिरे , बिजली भी हो गई गुल

आगरा, एजेंसी। आगरा में रात 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आई आंधी और बारिश ने भारी तबाही मचाई। कई जगह पेड़, होर्डिंग और बिजली के खंभे गिर गए, जिससे शहर और सैकड़ों गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जबकि एक परिवार चलती कार पर होर्डिंग गिरने से बाल-बाल बच गया।

दिन में भीषण गर्मी के बाद मंगलवार रात करीब आठ बजे 65 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से आई आंधी ने शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भारी तबाही मचाई। दर्जनों दर्जनों पेड़-होर्डिंग और खंभे गिरने से सैकड़ों गांवों की बिजली गुल हो गई। शहर के कई इलाके भी अंधेरे में डूब गए। सेंट जोंस चौराहे से निकल रही कार पर भारी-भरकम होर्डिंग गिर गया। संत रामकृष्ण कन्या महाविद्यालय, बल्केश्वर के निदेशक की कार में उस समय पांच लोग सवार थे। गनीमत रही कि पांचों लोग बाल-बाल बच गए। वहीं फतेहाबाद रोड शेड गिर गए, जिसमें ऑटो और बाइक सवार उलझ कर गिर गए।

संत रामकृष्ण कन्या महाविद्यालय के निदेशक रविकांत चावला ने बताया कि सेंट जोंस चौराहे स्थित हनुमान मंदिर पर उन्होंने भंडारा किया था। वह पहले ही घर से आ गए थे। उनके परिवार में मां, पत्नी, बेटी और भांजे को लेकर ड्राइवर चौराहे पर पहुंचा, तभी आंधी से भारी भरकम होर्डिंग उनकी कार पर गिर गया।

हादसा देख लोग दौड़े और पांचों को कार से बाहर

निकाला। ईश्वर कृपा से होर्डिंग का एक हिस्सा तारों में उलझ गया था, जिससे वह तेजी से कार पर नहीं गिरा, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। उन्होंने नगर निगम से ऐसे कमजोर और गिरासू होर्डिंग हटवाने की मांग की है। चौराहे पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस ने क्रेन मंगवाकर होर्डिंग हटवाया।

वहीं रायभा-अछनेरा रोड स्थित एक निर्माणाधीन मकान की दूसरी मंजिल की दीवार भरभराकर गिर गई। यहां धर्म सिंह अपने मकान का निर्माण करा रहे थे। पांच दिन से काम बंद था।

30 सबस्टेशनों से जुड़े गांवों की बिजली ठप

आंधी के कारण शहर में शास्त्रीपुरम, ग्वालियर रोड और महताब बाग के पास बिजली के तारों पर पेड़ गिरने से आपूर्ति ठप हो गई। तीनों क्षेत्रों में शटडाउन लेकर टोरंट पावर की टीमें देर रात तक मरम्मत में जुटी रहीं। देहात में 30 सबस्टेशनों से जुड़े सैकड़ों गांवों की आपूर्ति आंधी आते ही ठप हो गई। देर रात तक मरम्मत जारी रही।

लादूखेड़ा विद्युत उपकेंद्र से पोषित 25 गांवों में बिजली ठप हो गई। सीकरी के गांव दाउदपुर के माजरा उत्तू में आंधी से दो विद्युत पोल टूट कर गिर गए। बाह क्षेत्र के जैतपुर, भदरौली, जरार, अभयपुरा, बासौनी, पाठकपुरा, नौगवां आदि क्षेत्रों में आंधी के कारण बिजली गुल हो गई। ग्रामीणों ने दक्षिणांचल के अधिकारियों से नए पोल लगवाने की मांग की है।

तीन दिन राहत देगा मौसम

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप से दिन में परेशान रहे लोगों को मंगलवार रात आई आंधी-बारिश ने राहत दी। करीब 65 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी और फिर बारिश ने गर्मी से राहत दी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री दर्ज किया गया। ताजमहल देखने पहुंचे पांच सैलानी भीषण गर्मी की वजह से उलटी-दस्त व डिहाइड्रेशन के शिकार हो गए। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार से तीन दिनों तक आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश के आसार हैं। इससे तापमान में गिरावट आएगी और उमस व गर्मी से राहत मिलेगी।

कानपुर प्रदेश में चौथा सबसे गर्म शहर

पारा 43.9 डिग्री, मौसम विभाग ने की ये भविष्यवाणी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में मंगलवार को लू के थपेड़े तेज रहे। दोपहर को लगा कि जैसे आग बरस रही है। बाहर सड़क पर चलने पर आंच लगती रही। बांदा, प्रयागराज और झांसी के बाद कानपुर प्रदेश का चौथा सबसे गर्म शहर रहा। पारा 43.9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि बुधवार को पारा और बढ़ सकता है। 13-14 जून को हल्की बारिश की संभावना बताई गई है।

शहर में मंगलवार को पारा सुबह आठ बजे ही तापमान 35 डिग्री के ऊपर चला गया। फिर जैसे-जैसे दिन चढ़ा तपिश बढ़ती चली गई और लू के थपेड़े तेज हो गए। मौसम विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक बांदा में 45 डिग्री, प्रयागराज में 44.6 डिग्री, झांसी में 44.4 डिग्री और शहर में 43.9 डिग्री अधिकतम तापमान रहा है।

सीएसए के मौसम विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा का कहना है कि 24 घंटे में अधिकतम तापमान 2.5 डिग्री और रात का न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री बढ़ गया है। नौ जून के सामान्य औसत से अधिकतम तापमान 2.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री अधिक रहा।

उनका कहना है कि मौसम में अभी बदलाव नहीं होगा। इस समय उत्तर पश्चिमी हवाएं आ रही हैं। राजस्थान के थार मरुस्थल से होकर आने पर हवा गर्म हो जाती है। अभी अधिक नमी नहीं आ रही है लेकिन आने वाले पांच दिनों में हल्के बादल छाए रहेंगे। चार-पांच दिन के बाद मौसम में बदलाव आ सकता है।

रिटायरमेंट के बाद प्रॉपर्टी डीलर बने सैन्यकर्मी, जिंदा को मृत दर्शा करा लिया जमीन का फर्जी बैनामा

मेरठ, एजेंसी। टीपी नगर थाना क्षेत्र के शेखपुरा में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व सैन्यकर्मी विक्रम यादव के आवास पर छापा मारा। सीआरपीएफ के जवानों के कड़े सुरक्षा घेरे में सुबह शुरू हुई यह कार्रवाई छह घंटे से अधिक समय तक चली। ईडी की कार्रवाई से कॉलोनी में दिनभर अफरा-तफरी और हलचल का माहौल बना रहा। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों ने घर के भीतर और बाहर कड़ी निगरानी रखी तथा किसी भी बाहरी व्यक्ति को मकान में प्रवेश नहीं करने दिया।

सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि मलियाना चौकी के पास शेखपुरा निवासी विक्रम यादव सेना के निर्माण विभाग यूनिट में तैनात थे। करीब तीन वर्ष पूर्व सेवानिवृत्त होने के बाद से वह प्रॉपर्टी का काम कर रहे हैं। परतापुर में उनका हाईवे पर ही होटल भी है। मंगलवार सुबह जब विक्रम यादव अपने घर पर मौजूद थे, तभी दिल्ली से तीन गाड़ियों में सीआरपीएफ जवानों के साथ ईडी के 12 से अधिक अधिकारी वहां

पहुंचे।

टीम ने घर में घुसते ही मुख्य दरवाजा बंद कर दिया जिससे विक्रम और उनके परिवार को संभलने तक का मौका नहीं मिला। सूचना मिलते ही टीपी नगर थाना प्रभारी भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। सीओ के मुताबिक कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस घर के बाहर मुस्तैद रही और टीम की हरसंभव मदद की गई।

मृत दिखाकर प्लॉट का फर्जी बैनामा कराने का है आरोप : पूर्व सैन्यकर्मी विक्रम यादव पर जमीन धोखाधड़ी के गंभीर आरोप हैं। उन पर टीपी नगर (मेरठ) में एक और नोएडा में दो प्राथमिकी दर्ज हैं। साल 2025 में परतापुर थाने पर डूंगरावली निवासी सुशील ने विक्रम यादव, उनके बेटे हरीश यादव समेत पांच आरोपियों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि इन लोगों ने सुशील को कागजों में मृत दिखाकर उनके 400 गज के प्लॉट का फर्जी बैनामा तैयार करा लिया था। बाद में आरोपी विक्रम ने यह बैनामा अपने बेटे हरीश के नाम पर ट्रांसफर कर दिया था। मामला सामने आने पर पीड़ित ने पुलिस में शिकायत की थी जिसके बाद अब इस मामले में ईडी की एंट्री हुई है।

छात्रा से पड़ोसी युवक बना रहा था दोस्ती की दबाव, परेशान होकर लड़की ने दी जान

आगरा, एजेंसी। आगरा के ताजगंज इलाके में मंगलवार सुबह एक छात्रा ने छेड़छाड़ से परेशान होकर अपने घर के स्टोर रूम में फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों का आरोप है कि मोहल्ले का एक युवक एक साल से पीछा कर व रास्ता रोककर दोस्ती का दबाव बनाता था। समझाने पर भी हरकत बंद नहीं की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पिता की तहरीर पर आरोपी रोहन के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

छात्रा के पिता एक होटल में कर्मचारी हैं। उन्होंने बताया कि बेटी ने इसी साल 70त्न अंकों के साथ इंटर किया था। बीएससी में प्रवेश के लिए आवेदन कर रखा था। आरोपी युवक बेटी को स्कूल और कोचिंग जाते समय एक साल से परेशान कर रहा था। विरोध पर परिजन को जान से मारने की धमकी दे रहा था। इससे बेटी दहशत में थी। कुछ समय पहले बेटी ने बताया तो वह युवक के घर गए। उसके घरवालों से भी बात की। मगर आरोपी नहीं माना। वह बेटी को बदनाम करने की धमकी देने लगा।

पिता ने बताया कि रात में वह ड्यूटी पर गए थे। सुबह सात बजे बेटी ने जगाने के बाद चाय-नाश्ता किया। आरोप है कि युवक भी घर के सामने आकर खड़ा हो गया। इससे बेटी दहशत में आ गई। बेटी 8 बजे स्टोर रूम की ओर चली गई। पत्नी सरिता कपड़े धो रही थी। जब वह स्टोर में किसी काम से गईं तो अंदर से दरवाजा बंद था। किसी तरह दरवाजा खोला गया तो बेटी पंखे के सहारे फंदे से लटकी थी। चीख सुनकर आसपास के लोग भी आ गए। किसी तरह उसे फंदे से उतारा,।अस्पताल ले गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

फील्ड यूनिट ने जुटाए साक्ष्य

डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास का कहना है कि युवती ने फंदा लगाकर आत्महत्या की है। परिजन ने रोहन नाम के युवक पर आरोप लगाया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी। घटनास्थल से फील्ड यूनिट की टीम ने साक्ष्य संकलन किया है।

मां ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

छात्रा घर में सबसे बड़ी थी। एक छोटा भाई है। वह भी पढ़ाई करता है। पिता होटल की नौकरी कर बच्चों को पढ़ा रहे थे। बेटी की मौत से पिता और मां बेहाल हो गए हैं। मां ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उधर, आरोपी परिवार सहित भाग गया है।

परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने शिकायत ले ली लेकिन प्राथमिकी दर्ज नहीं की। इस पर परिजन आक्रोशित हो गए। मंगलवार शाम को बड़ी संख्या में लोग अमर होटल के पास आ गए। उन्होंने जाम लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। इससे वाहनों की लंबी लाइन लग गई।

पत्थर से सिर कूंचा, आंख फोड़ी फिर गर्दन काटकर पुल के नीचे फेंका शव, दो महीने पहले हुई थी शादी

सोनभद्र, एजेंसी। सोनभद्र जिले की कोतवाली क्षेत्र के मुरता गांव में मंगलवार की शाम ठेमा नदी पुल के नीचे समर सिंह (26) का खून से लथपथ शव मिला। बेहद निर्ममता से उसकी हत्या की गई थी। युवक का सिर पत्थर से कूंचा हुआ था। उसकी एक आंख फोड़ दी गई थी। गला भी कटा हुआ था। पास में ही टूटा हुआ चाकू पड़ा था। पुल के ऊपर से बाइक भी बरामद हुई है। शव की हालत देख लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। पुलिस शव को कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई है। युवक की दो माह पहले ही शादी हुई थी।

क्या है पूरा मामला : महुअरिया गांव निवासी समर सिंह मंगलवार को दोपहर में बिना बताए घर से निकला था। इसके बाद से उसका कहीं पता नहीं चला। शाम करीब चार बजे ठेमा नदी के पास से गुजर रहे लोगों ने पुल के नीचे शव देखकर सूचना पुलिस को दी। कुछ ही देर में दुद्धी कोतवाली और म्योरपुर थाने की पुलिस मौके पर

पहुंच गई। शव की शिनाख्त समर सिंह के रूप में हुई। उसकी निर्ममता से हत्या की गई थी।

समर के भाई जय सिंह व धर्मसिंह ने बताया कि घर में कच्चे का मकान का कार्य चल रहा है। सुबह से परिवार के सभी लोग इसी कार्य में लगे थे। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे समर बिना कुछ बताए ही घर से निकल गया था। इसके बाद शाम को उसका शव मिलने की सूचना आई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। घरवालों का रो-रोकर हाल बेहाल है।

भाइयों के मुताबिक दो महीने पहले समर सिंह की शादी रासपहरी गांव में हुई थी। बताया कि करीब बीते पांच साल पहले पिता को मारपीट कर नौडिहा गांव के जंगल में फेंक दिया गया था।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष के मोबाइल से आया ऐसा संदेश

मंत्री रह गए हैरान, व्हाट्सएप और फेसबुक हैक, गृह मंत्रालय ने तुरंत लिया एक्शन

आगरा, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश चंद शर्मा का मोबाइल प्रदेश अध्यक्ष का गिफ्ट पार्सल भेजने के बहाने साइबर अपराधियों ने हैक किया। इसके बाद गृहमंत्री, पीएमओ कार्यालय, हरियाणा के मुख्यमंत्री समेत कई राज्यों के मंत्रियों समेत 6000 से अधिक लोगों से रुपये मांगे गए। कई लोगों ने ठगों को रुपये भेज भी दिए। शिकायत पर थाना न्यू आगरा में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

हाथरस निवासी दिनेश चंद शर्मा पूर्व में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक, संगठन मंत्री भी रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि वह एक जून को आगरा आए थे। तभी उनके पास अनजान नंबर से एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का गिफ्ट पार्सल से भेजने के लिए बात की। डिलीवरी मैन को लोकेशन देने के बहाने पहले स्टार और फिर हैश लगाकर एक नंबर डायल करने को कहा गया। उन्होंने नंबर डायल कर दिया। इससे उनका व्हाट्सएप और फेसबुक हैक हो गया।

साइबर अपराधियों ने करीब 6 हजार लोगों को संदेश भेजे। जरूरत का बहाना कर अलग-अलग रकम ऑनलाइन भेजने की मांग की। मोबाइल में सैकड़ों बड़ी राजनीतिक हस्तियों के भी नंबर थे। आरोपियों ने गृहमंत्री अमित शाह, पीएमओ कार्यालय के अधिकारियों, हरियाणा के मुख्यमंत्री समेत कई बड़ी हस्तियों को भी संदेश भेजकर रुपयों की मांग की। अहमदाबाद के एक परिचित ने उन्हें कॉल कर ठगों की हरकत के बारे में बताया। लोगों के कॉल लगातार आते रहे।

गृह मंत्रालय से मामले के बारे में डीजीपी

राजीव कृष्ण को अवगत कराया गया। डीजीपी के निर्देश पर साइबर थाना पुलिस ने संपर्क किया। थाना न्यू आगरा में प्राथमिकी दर्ज की गई है। लोगों की ओर से 2 लाख से ज्यादा रुपये आरोपियों के बताए क्यूआर कोड पर भेजने के स्क्रीनशॉट पुलिस को दिए गए

हैं। अब तक लोग उनके पास कॉल कर जानकारी दे रहे हैं। उन्हें डर है कि जो वीआईपी नंबर साइबर अपराधियों की जानकारी में आ गए हैं। उनका साइबर अपराधी किसी गलत उद्देश्य से इस्तेमाल न कर लें।

जल्दबाजी में अनजान नंबर पर किया भरोसा : दिनेश चंद ने बताया कि जब साइबर ठगों ने उन्हें कॉल की तो वह एक जरूरी बैठक करने जा रहे थे। उन्होंने अनजान नंबर से आई कॉल पर बात कर ली और भरोसा कर नंबर डायल कर दिया। इससे कई लोगों का नुकसान हुआ और लोग परेशान हुए। साइबर एक्सपर्ट अभिषेक गुप्ता ने बताया कि साइबर अपराधी बातों में फंसाकर नंबर से पहले स्टार और फिर हैश लगाकर डायल करवा मोबाइल को रिमोट मोड पर ले लेते हैं। नंबर से पहले अलग कोड हो तो भी उसकी कॉल रिसीव नहीं करनी चाहिए। अनजान नंबर से आई कॉल पर भरोसा नहीं करना चाहिए। कंपनी के अधिकृत नंबर पर बात कर पुष्टि करनी चाहिए।

कॉलर की बिहार और रुपये लेने वाले की जयपुर मिली लोकेशन : पुलिस की जांच में दिनेश चंद को कॉल करने वाले नंबर की लोकेशन बिहार मिली है। जिस नंबर पर कॉल कराई गई थी वह जयपुर का निकला है। जिस खाते में लोगों से रकम ट्रांसफर कराई गई पुलिस ने उसको फ्रीज कराया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम गठित की गई है।

की जा रही विवेचना : डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि मोबाइल हैक कर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद विवेचना की जा रही है। जिन नंबरों से कॉल किया गया, उनके बारे में पता किया जा रहा है। इसके लिए साइबर थाना पुलिस की टीम को लगाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

चोरी के मामले में 29 दिन में गिरफ्तारी से सजा तक पूरी हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम जिले के पालम विलेज थाना पुलिस ने चोरी के एक मामले में त्वरित जांच और प्रभावी

अभियोजन का उदाहरण पेश करते हुए महज 29 दिनों में आरोपितों को अदालत से दोषी करार दिलवा दिया। चोरी के 18 दिन बाद गिरफ्तारी, चार दिन में चार्जशीट और छह दिन में ट्रायल पूरा होने से पुलिस की कार्यप्रणाली चर्चा में है। मामले में चोरी की मोटर, स्कूटर और वारदात में प्रयुक्त औजार बरामद किए गए। खास बात यह है कि पिछले माह भी इसी थाने ने रिकॉर्ड समय में चार्जशीट दाखिल कर 10 दिनों में सजा दिलवाई थी।

दिल्ली में एआईएस के इशारे पर इंस्पेक्टर ने मांगी थी तीन करोड़ की रिश्वत

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते सोमवार शाम लाल किला के पास से सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह के मामले में बेहद चौंकाने वाली जानकारी मिली है। गुजरात, वडोदरा के एक मामले में दो आरोपितों को मुकदमे से राहत दिलाने के एवज में आईजीआई एयरपोर्ट पर सिविल एविएशन में तैनात एक सीनियर आईएएस के निर्देश पर क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर ने आरोपितों से तीन करोड़ की मांग की थी। दोनों आरोपितों की आईएएस अधिकारी के कार्यालय में बीते मई में मीटिंग भी कराई गई थी। बाद में डील डेढ़ करोड़ में तय की गई। जिसमें एडवांस के तौर पर 50 लाख कुछ दिन पहले इंस्पेक्टर को दे दिया गया था। सोमवार को 25 लाख लेते गिरफ्तार कर लिया गया। दवाओं से जुड़ा यह हाई प्रोफाइल केस पहले क्राइम ब्रांच के पास था जिसे बाद में सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया था। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। आरोपितों के फोन इंटरसेप्ट में आईएएस और इंस्पेक्टर की भूमिका सामने आने पर अभी केवल इंस्पेक्टर को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। आगे आईएएस अधिकारी को भी सीबीआई गिरफ्तार करेगी।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने देखा निगम बोध घाट का मॉडल, निःशुल्क सेवाओं की सराहना की

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान में अंतिम संस्कार से जुड़े लोगों के प्रतिनिधिमंडल ने यमुना किनारे स्थित निगम बोध घाट का निरीक्षण किया तथा जनसुविधाओं व अंतिम संस्कार क्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी ली। घाट की संचालन संस्था बड़ी पंचायत वैश्य बीसे अग्रवाल के महामंत्री सुमन गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल का पारंपरिक स्वागत करते हुए घाट पर बन रहे आधुनिक चिता प्लेटफार्म, स्वच्छ शौचालय, छायादार विश्राम स्थल और गर्मी में शीतल पेयजल सहित लोगों को की दी जाने वाली अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। परिवारों को निशुल्क अंतिम संस्कार सामग्री उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की। जिससे कठिन समय में परिवारों को राहत मिलती है। इस मौके पर सुमन गुप्ता ने भविष्य में यहां आने वाले लोगों को हर सुविधा और सहयोग देने की प्रतिबद्धता भी जताई।

डीयू के भगत सिंह कॉलेज में बनेगा त्याधुनिक खेल परिसर, छात्रों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

नईदिल्ली, एजेंसी। डीयू के शहीद भगत सिंह कॉलेज में छात्रों को जल्द ही क्रिकेट के मैदान सहित बेहतरीन खेल सुविधाओं का लाभ मिलेगा। कॉलेज के 60 वर्ष पूरे होने के खास अवसर पर कॉलेज में आधुनिक खेल परिसर के लिए भूमि पूजन किया गया है। इस खेल के मैदान में छात्रों को आधुनिक खेल और मनोरंजन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

दिल्ली-एनसीआर में आधी रात को भयंकर आंधी-बारिश से बदला मौसम का मिजाज

आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी और उमस से बेहाल दिल्ली-एनसीआर के लोगों को बुधवार देर रात मौसम ने बड़ी राहत दी। राजधानी और आसपास के इलाकों में तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की। बारिश के साथ ही तेज हवाओं के साथ आसमान में बिजली भी तमकती दिखी।

मंगलवार को यलो अलर्ट के बीच राजधानी में मौसम का मिश्रित मिजाज देखने को मिला। दिन भर दिल्ली वासी तेज धूप और उमस भरी गर्मी से बेहाल रहे तो शाम के समय रिकार्ड रफ्तार से धूल भरी आंधी चली। देर रात विभिन्न इलाकों में हल्की वर्षा देखने को मिली। हालांकि इससे तापमान में कोई कमी नहीं आई। बुधवार के लिए भी ऐसा ही मौसम रहने का पूर्वानुमान जारी किया गया है।

मंगलवार की शुरुआत गर्म सुबह के साथ हुई। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री अधिक 29.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजघाट पर तो न्यूनतम तापमान 30.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिन चढ़ने के साथ धूप तीखी होती गई व उमस भी बढ़ती गई। इसी के चलते अधिकतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री अधिक 43.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रिज क्षेत्र में यह 44.7 डिग्री तक पहुंच गया। शाम होते होते मौसम ने करवट ले ली। मौसम विज्ञानियों ने बताया कि उमस भरी भीषण गर्मी तो बनी ही हुई थी, मध्य पाकिस्तान के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी बन गया एवं अरब सागर से आ रही नमी भरी हवाओं ने भी इसमें योगदान दे दिया। नतीजा, शाम साढ़े छह से साढ़े सात बजे के मध्य धूल भरी आंधी का दौर चला। इसकी रफ्तार 13 से 120 किमी प्रति घंटे तक रही। मयूर विहार में सबसे कम 13 जबकि पालम में सबसे ज्यादा 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली। पालम में इतनी तेज आंधी 25 साल बाद चली। इससे पहले 4 जून 2025 को भी 120 किमी प्रति घंटे वाली रफ्तार से आंधी चली थी। यह आंधी कुछ ही मिनटों तक रही इसलिए इससे तापमान में कमी नहीं आई। रात साढ़े 10 बजे के आसपास दिल्ली के विभिन्न इलाकों में हल्की वर्षा का दौर भी शुरू हो गया, जो आधी रात के बाद तक चलता रहा। बुधवार के लिए मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि

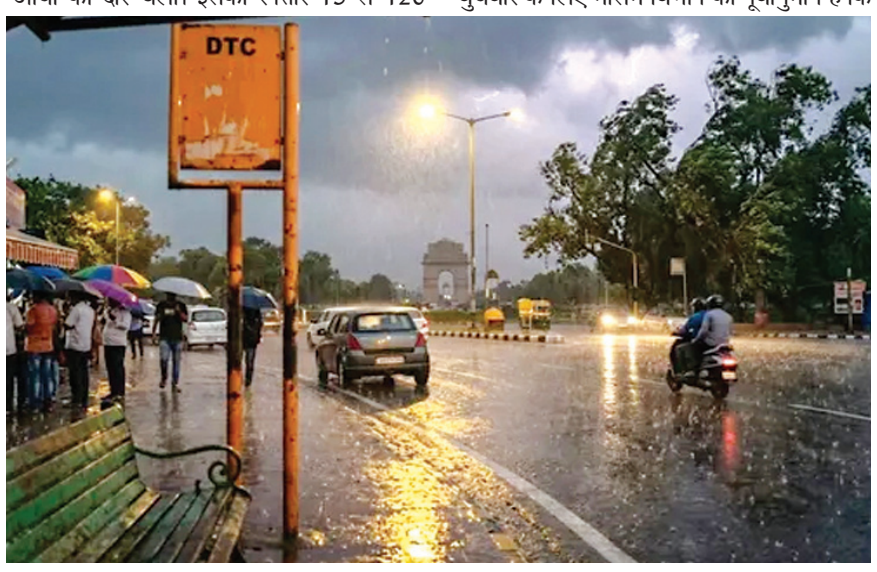

आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलेंगी। दोपहर बाद या शाम के समय गर्जन वाले बादल बन सकते हैं। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 44 और 30 डिग्री रह सकता है। वहीं बृहस्पतिवार को तेज आंधी के साथ वर्षा का आरेंज जबकि शुक्रवार के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन दो दिनों में मौसम की इस करवट से तापमान में भी गिरावट आएगी।

आईआईटी दिल्ली ने शुरू किए नए बैच के आवेदन

एआई और मशीन लर्निंग में कैरियर का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) और डेटा आधारित तकनीकों की बढ़ती मांग को देखते हुए आइआइटी दिल्ली ने एप्लाइड एआइ, मशीन लर्निंग और

डिसीजन साइंस कार्यक्रम के छठे बैच के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। संस्थान के सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) के अंतर्गत संचालित यह पाठ्यक्रम पेशेवरों और छात्रों को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने का प्रयास है। आठ माह की अवधि वाले इस आनलाइन पाठ्यक्रम के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को मशीन लर्निंग, जनरेटिव एआइ, एजेंटिक एआइ और डेटा आधारित निर्णय लेने की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। आइआइटी दिल्ली के विशेषज्ञ शिक्षकों के साथ उद्योग जगत के पेशेवर भी लाइव सत्रों के माध्यम से मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें जटिल व्यावसायिक और प्रबंधन संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए डेटा आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाना है। इसमें वास्तविक मामलों पर आधारित परियोजनाएं और व्यावहारिक अभ्यास भी शामिल किए गए हैं।

स्नातक और डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागियों को आइआइटी दिल्ली के सीईपी की ओर से प्रमाणित ई-प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जो उनके पेशेवर प्रोफाइल को मजबूत बनाने में सहायक होगा।

लाहौर में गूंजेगी अरदास! दिल्ली से 100 श्रद्धालु पाकिस्तान रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरु अर्जुन देव जी का बलिदान पर्व मनाने के लिए दिल्ली से 100 श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान रवाना हुआ। गुरु अर्जुन देव जी का बलिदान पाकिस्तान के लाहौर में हुआ था। उनके पार्थिव शरीर को रावी नदी में प्रवाहित कर दिया गया था, जहां ऐतिहासिक गुरुद्वारा डेरा साहिब स्थित है। उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धालु वहां श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों बताया कि कमेटी के मुख्य सलाहकार व विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष परमजीत सिंह चंडोक के नेतृत्व में जत्था पाकिस्तान गया है। मंगलवार को श्रद्धालु अमृतसर में रात्रि विश्राम करेंगे। बुधवार को सुबह वाघा बार्डर के रास्ते पाकिस्तान जाएंगे। 18 जून को बलिदान दिवस मनाने के उपरांत 19 जून को उसी मार्ग से वापस भारत लौटेंगे।उन्होंने आरोप लगाया कि पहले कुछ नेताओं के कारण समुदाय को अलग-अलग तिथियों पर गुरुपर्व व अन्य महत्वपूर्ण दिवस मनाने की स्थिति उत्पन्न हुई थी। अब विभिन्न पंथक संगठनों के संयुक्त प्रयासों से इस बार बलिदान दिवस एक ही तिथि को मनाया जाएगा।

डीयू के मिरांडा हाउस में समर रिसर्च इंटर्नशिप की शुरुआत, देशभर के 450 से ज्यादा विद्यार्थी करेंगे शोध

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू के मिरांडा हाउस में मंगलवार से छह सप्ताह के समर रिसर्च इंटर्नशिप कार्यक्रम फ्लेवर आफ रिसर्च: इन्वेस्टिगेटिव प्रोजेक्ट्स इन मल्टीडिसिप्लिनरी कान्टेक्स्ट्स का शुभारंभ हुआ। 9 जून से 21 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस कार्यक्रम में देशभर के 39 विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों से 450 से अधिक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शोध कार्य का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और उनमें अनुसंधान के प्रति रुचि को बढ़ावा देना है। इस वर्ष इंटर्नशिप के तहत भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, गणित, भूगोल और राजनीति विज्ञान सहित विभिन्न विषयों में शोध के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रतिभागियों को प्रयोगशाला आधारित अध्ययन, फील्ड वर्क, डेटा विश्लेषण और अंतर्विषयी शोध परियोजनाओं पर काम करने का अवसर मिलेगा।

शोध और नवाचार के महत्व से परिचित कराया: कार्यक्रम का उद्घाटन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व निदेशक (ईआर एवं आईपीआर) डा. शिव कुमार ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को शोध और नवाचार के महत्व से परिचित कराते हुए कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी देश के विकास और राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला हैं। उन्होंने युवाओं से नई खोजों और नवाचारों के माध्यम से समाज की चुनौतियों के समाधान तलाशने का आह्वान किया।

कालेज प्रशासन के अनुसार, इंटर्नशिप के दौरान विद्यार्थियों को अनुभवी शिक्षकों और शोध विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागी अपने शोध कार्यों को पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। यह पहल विद्यार्थियों को शोध संस्कृति से जोड़ने और उनकी अकादमिक व विश्लेषणात्मक क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

दिल्ली में खुद को घिरा देख बदमाश ने पुलिस पर बरसाई गोलियां, 17 मामलों के आरोपित को मुठभेड़ में दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ ईस्ट दिल्ली में पुलिस और एक शातिर बदमाश के बीच देर रात मुठभेड़ हो गई। पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर भागने की कोशिश कर रहे बदमाश को पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली मारकर दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान गोविंदपुरी पुलिस थाने के घोषित बदमाश सोनू के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, सोनू पर सेंधमारी, डकैती समेत कुल 17 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। देर रात एएटीएस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि शातिर बदमाश सोनू मूलचंद मेट्रो स्टेशन के आसपास किसी वारदात को अंजाम देने या किसी से मिलने आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मूलचंद मेट्रो स्टेशन से लेडी श्रीराम कॉलेज के पीछे वाली गली के पास अपना जाल बिछाया।
देर रात जब बदमाश सोनू अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर वहां पहुंचा, तो पुलिस टीम ने उसे चारों तरफ से घेर लिया।

पाकिस्तान के हवाई हमलों से अफगानिस्तान में 13 लोगों की मौत, 11 बच्चे भी शामिल

काबुल,एजेंसी। अफगानिस्तान ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर उसके क्षेत्र में हवाई हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। इन हमलों के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच पहले से चल रहा तनाव और बढ़ गया है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तानी हवाई हमले अफगानिस्तान के खोस्त, कुनार और पक्तिका प्रांतों में किए गए। उनके अनुसार हमलों में 11 बच्चों, एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हुई है।

तालिबान सरकार ने इन हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिकों को निशाना बनाने वाली कार्रवाई बताया है। हालांकि पाकिस्तान की ओर से इन हमलों को लेकर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या पुष्टि नहीं की गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कई महीनों से सीमा पर तनाव बना हुआ है। फरवरी के अंत से दोनों देशों के बीच लगातार संघर्ष और जवाबी कार्रवाइयां हो रही हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है।

टीटीपी को लेकर पाकिस्तान लगाता रहा है आरोप

दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल ऐसे

आतंकवादी संगठन कर रहे हैं, जो पाकिस्तान के भीतर हमले करते हैं। विशेष रूप से पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर चिंता जताता है। पाकिस्तान का कहना है कि टीटीपी के लड़ाके अफगानिस्तान में शरण लेकर पाकिस्तान में आतंकी हमले करते हैं। अफगान तालिबान से अलग संगठन टीटीपी टीटीपी, अफगान तालिबान से अलग संगठन है, लेकिन दोनों के बीच वैचारिक और रणनीतिक संबंध माने जाते हैं। अफगानिस्तान में 2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद तालिबान ने सत्ता संभाली थी। तब से पाकिस्तान लगातार काबुल पर टीटीपी को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है।

पाकिस्तान के आरोपों को तालिबान सरकार ने किया है खारिज

हालांकि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है। उसका कहना है कि वह किसी भी देश के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देती। ताजा हवाई हमलों के बाद क्षेत्र में हालात और तनावपूर्ण हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों देशों के बीच बातचीत नहीं हुई तो सीमा पर संघर्ष और तेज हो सकता है।

वेस्ट बैंक संकट: इस्राइली सेटलर्स पर छह देशों का एक्शन, घिरे कैबिनेट मंत्री, फ्रांस-ब्रिटेन ने दी बड़ी चोट

पेरिस, एजेंसी। वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों पर हमले लगातार बढ़ रहे हैं। इस हिंसा को लेकर दुनिया के छह बड़े देश बहुत गुस्से में हैं। इन देशों ने मिलकर हिंसक इस्राइली सेटलर्स पर नए और कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस कार्रवाई में इस्राइल के एक बड़े कैबिनेट मंत्री को भी निशाना बनाया गया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस कदम से इस्राइल पर दबाव बनाना चाहता है, ताकि वहां तुरंत हिंसा रोकी जा सके। इस कार्रवाई में ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, नॉर्वे और न्यूजीलैंड शामिल हैं। इन छह देशों के विदेश मंत्रियों ने एक साझा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि चरमपंथी सेटलर्स लगातार फलस्तीनियों पर हमले कर रहे हैं। उनके मानवाधिकारों का खुलेआम हनन हो रहा है। इन हिंसक लोगों को इस्राइल सरकार का पूरा समर्थन मिल रहा है। ये लोग बिना किसी डर के काम कर रहे हैं। सरकार की मदद से वहां नई बस्तियां बनाई जा रही हैं, जो पूरी तरह गलत है। फ्रांस ने इस्राइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच के अपने देश में आने पर रोक लगा दी है। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा कि स्मोट्रिच बस्तियों के विस्तार को बढ़ावा दे रहे हैं। वे फलस्तीनी गांवों को खाली करा रहे हैं। फ्रांस ने इसके साथ ही चार बड़े नेताओं और 21 हिंसक सेटलर्स पर भी पाबंदी लगाई है। दूसरी तरफ, ब्रिटेन ने भी बड़ा कदम उठाया है। ब्रिटेन ने बस्तियों को पैसा देने वाले छह संगठनों पर वित्तीय प्रतिबंध लगा दिए हैं। अब ये संगठन पैसों का लेन-देन नहीं कर पाएंगे। इस्राइल सरकार इस फैसले से बेहद नाराज है। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने इन प्रतिबंधों को अपमानजनक बताया है। उनका कहना है कि इस तरह के कदमों से दुनिया में यहूदी विरोधी भावना बढ़ेगी।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को भेजा बधाई पत्र

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायका ने पीएम मोदी को एक बधाई पत्र भेजा है। यह पत्र आठ जून का है। उन्होंने लिखा कि यह रिकॉर्ड सिर्फ सरकार में बिताए साल नहीं है। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के भरोसे का प्रतीक है। जनता ने बार-बार पीएम मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की सोच ने श्रीलंका सहित कई देशों को प्रेरित किया है। भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति का श्रीलंका सबसे बड़ा गवाह रहा है। साल 2022 के आर्थिक संकट में भारत ने श्रीलंका की बहुत बड़ी मदद की थी। इसके बाद चार से छह अप्रैल 2025 को पीएम मोदी ने श्रीलंका का दौरा किया था। यह उनका वहां का चौथा दौरा था। तब उन्हें श्रीलंका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'मित्र विभूषण' से नवाजा गया था।

पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने एक व्यक्तिगत वीडियो संदेश जारी किया है। उन्होंने पीएम मोदी को नेतृत्व का रोल मॉडल बताया है। मारापे ने कहा कि 20 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकालना एक चमत्कारी उपलब्धि है। उन्होंने दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करने की इच्छा जताई। पीएम मोदी ने मई 2023 में पापुआ न्यू गिनी का ऐतिहासिक दौरा किया था। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की वहां की पहली यात्रा थी। उन्होंने वहां तीसरे भारत-प्रशांत द्वीप सहयोग मंच शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। यह दौरा वैश्विक दक्षिण यानी ग्लोबल साउथ के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को दिखाता है। त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर ने भी पीएम मोदी को इस मौके पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत अंतरराष्ट्रीय मामलों में एक बड़ी आवाज बनकर उभरा है। उन्होंने पीएम मोदी के एक साधारण परिवार से निकलकर 1.4 अरब लोगों के देश का नेतृत्व करने की यात्रा को सराहा। भारत ने विदेश नीति, अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे और सामाजिक विकास में बड़ी सफलता हासिल की है। पीएम मोदी ने तीन से चार जुलाई 2025 को त्रिनिदाद और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा की थी। यह 26 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी। यह यात्रा वहां भारतीय प्रवासियों के आने की 180वीं वर्षगांठ के खास मौके पर हुई थी।

अगर सुरक्षित रहना चाहते हो तो हमारे क्षेत्र से निकल जाओ, अमेरिकी हमले के बाद ईरान की खुली धमकी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वह सुरक्षित रहना चाहता है तो उसे फारस की खाड़ी क्षेत्र छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान की सशस्त्र सेनाएं किसी भी हमले या धमकी का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि युद्ध के मैदान में असफल रहने के बाद अमेरिका ने ईरान के संकल्प को परखने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि ईरान की शक्तिशाली सेना किसी भी हमले को बिना जवाब दिए नहीं छोड़ेगी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि फारस की खाड़ी के इतिहास में बाहरी ताकतों के बुरे अंजाम के कई उदाहरण

मौजूद हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, अमेरिकी बलों ने ईरान के खिलाफ आत्मरक्षा में हमले शुरू किए हैं। सेंटकॉम का कहना है कि यह कार्रवाई उस घटना के जवाब में की गई, जिसमें ईरान ने अमेरिकी सेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराने का दावा किया था। सेंटकॉम ने बताया कि राष्ट्रपति के निर्देश पर मंगलवार शाम से ये हमले शुरू किए गए। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह ईरान की अनुचित आक्रामकता के खिलाफ संतुलित और सीमित जवाबी कार्रवाई है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर गश्त कर रहे एक अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर को निशाना बनाया। हालांकि उन्होंने कहा कि हेलीकॉप्टर में मौजूद दोनों पायलट सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है। इसके बावजूद ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया कि अमेरिका इस हमले का जवाब देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि उन्हें सेना से जानकारी मिली है कि ईरान ने एक अत्याधुनिक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि पायलट सुरक्षित हैं, लेकिन अमेरिका के लिए इस हमले का जवाब देना आवश्यक है। इस्राइल के बीच भी तनाव बढ़ा है। दोनों देशों के बीच लगातार हमले और जवाबी हमले हो रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार इस्राइल ने ईरान के एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र को निशाना बनाया, जबकि ईरान की ओर से इस्राइली सैन्य ठिकानों पर हमले किए गए।

संपादकीय

महंगाई की आंच...

पश्चिम एशिया में हालात सामान्य नहीं हो पाने का असर अब प्रत्यक्ष रूप से महंगाई में तेज बढ़ोतरी के रूप में सामने आ रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार इजाफे के बाद सरकार ने घरेलू रसोई गैस के दामों में भी 29 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर दी है। यानी महंगाई की आंच आम लोगों की रसोई तक पहुंच गई है, जो आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है।

इस स्थिति को लेकर पहले से ही अनुमान लगाए जा रहे थे, लेकिन सवाल सरकार के उन दावों पर उठ रहे हैं, जिनमें कहा गया था कि संभावित संकट का सामना करने के लिए समय रहते वैकल्पिक उपाय तलाश लिए जाएंगे। दरअसल, होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है, जिससे भारत समेत दुनिया के कई देशों में ऊर्जा का संकट खड़ा हो गया है।

भारत पर इसका ज्यादा असर इसलिए पड़ रहा है, क्योंकि यहां आयात पर निर्भरता अधिक है। यह सब ज्ञात होने के बावजूद अगर महंगाई को नियंत्रण में रखने के लिए कारगर कदम उठाने के बजाय इसका बोझ जनता पर डाल दिया जाए, तो क्या इसे उचित ठहराया जा सकता है।

सरकार ने पिछले माह चार चरणों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए थे, जिसके परिणामस्वरूप कुल मिलाकर पेट्रोल 7.35 रुपये और डीजल 7.53 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया था। इसी तरह व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दामों में भी बढ़ोतरी की गई।

उम्मीद की जा रही थी कि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम फिलहाल स्थिर रहेंगे, लेकिन ऐसा लगता है कि आवश्यक वस्तुओं के दाम अब

सरकार के नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो गए हैं। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में तीन महीनों में दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले मार्च में साठ रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई थी, यानी इस अवधि में प्रति सिलेंडर कुल मिलाकर 89 रुपये बढ़ चुके हैं।

सरकार का तर्क है कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में कीमतों में लगातार उछाल की वजह से तेल कंपनियों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस के दाम घटते हैं, तो क्या उनका लाभ आम उपभोक्ताओं को दिया जाता है? यह मसला लंबे समय से कई स्तरों पर उठाया जाता रहा है, लेकिन इस पर कोई गंभीरता अब तक नजर नहीं आई है।

घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी के बाद सरकार अब यह कहकर अपनी पीठ थपथपा रही है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों में तेज उछाल के बावजूद देश की जनता को रसोई गैस दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराई जा रही है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि एक तरफ आम आदमी महंगाई के बोझ तले दबता जा रहा है और दूसरी तरफ सरकार यह दिखाने का प्रयास कर रही है कि आवश्यक वस्तुओं के दाम अब भी नियंत्रण में हैं।

खबरों के मुताबिक, संकट के दौरान देश में एलपीजी की उपलब्धता बनाए रखने के लिए घरेलू उत्पादन में साठ फीसद से अधिक की वृद्धि की गई है और अमेरिका, कनाडा तथा अल्जीरिया जैसे देशों से अतिरिक्त आयात की व्यवस्था भी की गई है। मगर सवाल यही है कि इन वैकल्पिक उपायों का असर जमीन पर नजर क्यों नहीं आ रहा है। आम लोगों खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को लंबी कतारों में खड़े होकर गैस सिलेंडर का इंतजार क्यों करना पड़ रहा है?

लोकतंत्र एक मजबूत विपक्ष के मुखर स्वर से ही जीवित रहता है

इसमें कोई दोराय नहीं कि विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के सामने फिलहाल बहुस्तरीय चुनौतियां खड़ी हैं और संगठित होकर इनका सामना करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मगर पिछले कुछ समय से 'इंडिया' के कुछ घटकों ने गठबंधन के दायित्वों से जुड़े जैसे सवाल उठाए हैं, उन पर विचार करके आगे की दिशा तय करने की चुनौती शायद सबके लिए अहम है। गौरतलब है कि कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों और उसके बाद नीट-यूजी 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने सहित कई व्यापक महत्त्व के मुद्दों पर जनता के भीतर असंतोष के स्वर तीखे होने के बीच सोमवार को 'इंडिया' गठबंधन की बैठक हुई। माना जा रहा था कि कुछ दलों की नाराजगी का असर बैठक पर पड़ सकता है, लेकिन इसमें शामिल होने वाले दलों के बीच कई मुद्दों पर साझा अभियान चलाने पर सहमति बनी।

मुख्य रूप से एसआइआर और चुनावों में वोटों की गड़बड़ी पर सुप्रीम

कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखने के अलावा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर सभी दल सहमत थे। नाजुक आर्थिक स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई और समाज के कमजोर तबकों के मुद्दों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की भी मांग की गई। हालांकि तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद कांग्रेस ने जिस तरह सत्ता में आई टीवीके के साथ नया मोर्चा बना लिया, उसके बाद द्रमुक का 'इंडिया' में साथ रहना वैसे भी मुश्किल था। इसी तरह, माकपा ने भी केरल में चुनाव के दौरान कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाया। मतभेद के मुद्दों पर संवाद और एक-दूसरे को समान स्तर पर अहमियत देना गठबंधन को मजबूत करने का एक रास्ता हो सकता है, लेकिन यह तभी संभव है जब इसके सभी सदस्य-दलों के भीतर सामूहिक भावना के साथ राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने की इच्छाशक्ति हो। जिस समय राजनीतिक चुनौतियां गहरा रही हों, वैसे में साझा मोर्चा मजबूत करने का रास्ता निकालने के लिए न्यूनतम बिंदुओं पर सहमति के रास्ते तैयार करने की जरूरत है। लोकतंत्र एक मजबूत विपक्ष के मुखर स्वर से ही जीवित रहता है। ऐसे में कुछ मतभेदों के बावजूद 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के बीच नए सिरे से मैदान में उतरने और हर दो महीने में बैठक करने पर बनी सहमति शायद वक्त का तकाजा भी है।

आज का कार्टून

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दरकार...

> स्वास्थ्य क्षेत्र में दूसरे विकासशील देशों की बराबरी के लिए हमें काफी कुछ करना होगा। अमर्त्य सेन भी लगातार जोर देते रहे हैं कि भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किसी एकीकृत कार्ययोजना की सख्त जरूरत है। उनका मानना है कि आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सामाजिक प्रगति भी उतनी ही जरूरी है। यदि हम चीन के साथ आर्थिक विकास की तुलना करें, तो उसके आर्थिक विकास का बहुत बड़ा कारण उसका स्वास्थ्य एवं शिक्षा में निवेश करना रहा है। अपने नागरिकों को विश्व की स्पर्धा में आगे लाने के लिए भारत को आगे बढ़ना होगा। फिक्की के एक सर्वे के मुताबिक 65 फीसद भारतीय महंगे इलाज के कारण कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। इनमें से तीन फीसद तो ऐसे हैं, जो बीमारी पर खर्च की वजह से गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं। इतना ही नहीं देश में बीमारी पर होने वाला 61 फीसद खर्च जेब से दिया जाता है। यानी इसके लिए न तो कोई बीमा होता है और न कोई दूसरी लोक कल्याणकारी योजना।

रवि शंकर

देश में आज भी जरूरत के मुकाबले पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। यही वजह है कि आबादी का बड़ा हिस्सा अब भी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। अस्पतालों और चिकित्सकों की उपलब्धता भी जनसंख्या घनत्व के हिसाब से बहुत कम है। सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं, आधारभूत संरचना, चिकित्सकों, कमरों, दवाइयों, कुशल और प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ तथा दूसरी सुविधाओं की कमी है।

इन्हीं अभावों के बीच निजी स्वास्थ्य क्षेत्र को विस्तार करने का मौका मिल गया, जिसका गरीब लोगों से कोई वास्ता नहीं। स्वास्थ्य सेवा किसी भी देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का महत्त्वपूर्ण मापदंड है, क्योंकि बिना स्वस्थ समाज के किसी भी देश का आर्थिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक विकास संभव नहीं है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में स्वास्थ्य सेवाओं का क्षेत्र लगातार सुधार और विस्तार का केंद्र रहा है। आज इसे मजबूत बनाने की जरूरत है।

हालांकि, अभी भी हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों के समाधान के लिए सरकार काम तो कर रही है, फिर भी स्वास्थ्य क्षेत्र में स्थिति दयनीय बनी हुई है। यही वजह है कि हर साल करोड़ों भारतीय इलाज पर बेतहाशा खर्च के कारण आर्थिक रूप से बर्बादी के कगार पर पहुंच जाते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अस्पतालों के भारी-भरकम बिल भरने की वजह से भारत में हर साल करीब छह करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। ऐसे लोग इलाज के लिए भारी कर्ज लेते हैं। इसका प्रमुख कारण सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच नहीं होना है।

असली भारत गांव में बसता है, लेकिन यह दुखद ही है कि गांव के लोगों की सेहत का खयाल रखने वाले चिकित्सा केंद्र आज भी बदतर हैं। शहरों में निजी अस्पतालों की भरमार है। ये महंगे जरूर हैं, लेकिन आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। वहीं गांवों में सरकारी अस्पताल भी दूरदराज स्थित हैं और वहां योग्य चिकित्सकों की भी कमी है। ग्रामीण भारत की लगभग 70 फीसद आबादी केवल 30 फीसद चिकित्सकों पर निर्भर है।

भारत में प्रति एक हजार लोगों पर केवल आठ चिकित्सक उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य सेवाएं कितनी सुलभ हैं, इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि भारत में केवल 30 फीसद लोग ही किसी न किसी प्रकार के स्वास्थ्य बीमा से सुरक्षित हैं। बाकी लोग बीमारी की स्थिति में जेब से खर्च करने पर मजबूर होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञों की काफी कमी देखी जाती है। ऐसे में शहर और गांव के बीच एक ऐसी खाई बन गई है, जिसका परिणाम भविष्य में काफी भयावह हो सकता है।

भले ही देश में तरक्की के कितनी भी दावे किए जाएं, पर गांव में करीब 60 से 70 फीसद चिकित्सा विशेषज्ञों की कमी होना अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। ऐसे में भारत स्वस्थ कैसे बनेगा? यह एक बड़ा सवाल है। भले ही सरकार हर साल स्वास्थ्य सेवाओं पर करोड़ों रुपए का बजट पेश करती है, लेकिन आज भी देश की स्वास्थ्य सेवाएं सवालों के घेरे में हैं। जबकि शिक्षा और स्वास्थ्य दो ऐसे क्षेत्र हैं, जिससे मानव संसाधन को बेहतर बनाया जा सकता है।

अमर्त्य सेन का कहना है कि उदारीकरण के लिए चाहे जितने भी क्षेत्र खोल दें, शिक्षा और स्वास्थ्य दो ऐसे क्षेत्र हैं जिसे हर हाल में सरकारी क्षेत्र में ही होने चाहिए। मगर इस सलाह पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। कनाडा, डेनमार्क, स्वीडन, नार्वे, जर्मनी, ब्रिटेन, जापान और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में दुनिया की सबसे अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

दूसरी ओर, भारत जैसी बड़ी आबादी वाले देश में बिना ज्यादा पैसे खर्च किए अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पाती हैं। जाहिर है, आबादी लगातार बढ़ने के बावजूद आधारभूत ढांचे में सुधार पर अब तक जितना ध्यान देना चाहिए था, उतना नहीं दिया गया।

विचित्र बात है कि जब देश में इन समस्याओं से निपटने के लिए सभी जरूरी संसाधन मौजूद हैं, तो व्यवस्था दुरुस्त क्यों नहीं की जा रही है। हालांकि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की घोषणा और क्रियान्वयन से यह उम्मीद जगी थी कि भारत की तस्वीर बदल जाएगी, परंतु ऐसा नहीं हुआ।

भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। मगर आश्चर्य है कि यह अपनी कुल जीडीपी का करीब दो फीसद हिस्सा भी स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च नहीं करता है। यह इतनी बड़ी आबादी वाले देश के लिए ऊंट के मुंह में जीरे के सामान है। यह ठीक है कि आयुष्मान भारत योजना जैसे सरकारी कार्यक्रमों ने करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की है, मगर आज भी इसका आधा-अधूरा फायदा ही आम लोगों को मिल पाता है।

साफ है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में दूसरे विकासशील देशों की बराबरी के लिए हमें काफी कुछ करना होगा। अमर्त्य सेन भी लगातार जोर देते रहे हैं कि भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किसी एकीकृत कार्ययोजना की सख्त जरूरत है। उनका मानना है कि आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सामाजिक प्रगति भी उतनी ही जरूरी है। यदि हम चीन के साथ आर्थिक विकास की तुलना करें, तो उसके आर्थिक विकास का बहुत बड़ा कारण उसका स्वास्थ्य एवं शिक्षा में निवेश करना रहा है।

अपने नागरिकों को विश्व की स्पर्धा में आगे लाने के लिए भारत को आगे बढ़ना होगा। फिक्की के एक सर्वे के मुताबिक 65 फीसद भारतीय महंगे इलाज के कारण कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। इनमें से तीन फीसद तो ऐसे हैं, जो बीमारी पर खर्च की वजह से गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं।

इतना ही नहीं देश में बीमारी पर होने वाला 61 फीसद खर्च जेब से दिया जाता है। यानी इसके लिए न तो कोई बीमा होता है और न कोई दूसरी लोक कल्याणकारी योजना। वहीं हमारा देश दिल, गुर्दे और श्वास रोगों का घर बनता जा रहा है। मधुमेह के लिए तो उसे विश्व की राजधानी ही कहा जाने लगा है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वे में यह बात सामने आई है कि 15 से 49 वर्ष आयु के पुरुषों में दिल की बीमारी मौत का प्रमुख कारण बन रही है। यह ठीक है कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च की जाने वाली राशि का बजट में लगातार प्रावधान बढ़ाया जा रहा है, लेकिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में जितनी उपलब्धता होनी चाहिए, उतनी अभी भी नहीं हो पाई है।

दरअसल, किसी भी देश के लिए उसके नागरिकों का स्वास्थ्य एक बड़ी पूंजी होता है। यदि देश के निवासी स्वस्थ हैं, तो वहां की सरकार राष्ट्र की सुरक्षा और शिक्षा सहित अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश एवं प्रगति पर ध्यान दे सकती है। देश में स्वास्थ्य संरचना, उपचार, परीक्षण और शोध पर निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि सबके स्वास्थ्य का सपना साकार हो सके और हमारे देश को इस मानव पूंजी का सार्वभौमिक लाभ प्राप्त हो सके।

स्कूल बैग से ज़्यादा भारी है सामाजिक अपेक्षाओं का बोझ

> भोर की पहली धूप के साथ जब लड़कियाँ घर की देहरी लाँघती हैं, तो उनके कंधों पर स्कूल बैग से कहीं अधिक भारी बोझ होता है। राजस्थान के एक छोटे कस्बे की प्रिया हो, या दिल्ली के किसी सरकारी विद्यालय की रोशनी; सुबह छह बजे उठकर, रसोई में चाय बनाकर, छोटे भाई-बहनों को तैयार करके जब वे बस की ओर दौड़ती हैं, तो यह दौड़ केवल विद्यालय तक नहीं होती। वे उस संसार में कदम रखती हैं जो उनसे कहता है: प्रश्न करो, आत्मविश्वास रखो, अपने सपनों को नाम दो। कक्षाओं में वे संविधान की समता पढ़ती हैं, विज्ञान में तर्क के सूत्र सीखती हैं, भाषा में अपनी अभिव्यक्ति को धार देती हैं। परंतु संध्या की छाया के साथ जब वही लड़कियाँ घर की ओर लौटती हैं, तो वे एक बिल्कुल भिन्न दुनिया में प्रवेश करती हैं।

अतुल मौर्य

यह दुनिया किताबों की भाषा नहीं बोलती। यहां आवाज़ का तेज़ होना असंस्कार माना जाता है, हँसी की ऊँचाई मापी जाती है। एक ओर कक्षा में शिक्षिका कहती हैं: 'बेटा, बोलो, संकोच मत करो'; दूसरी ओर घर में दादी टोकती हैं: 'इतनी ज़ोर से हँसते नहीं, लड़की हो।' यही वह अदृश्य विभाजन रेखा है जिसे हम प्रायः दैनंदिन जीवन की सामान्यता मानकर अनदेखा कर जाते हैं।

समाज अब लड़कियों की पढ़ाई का उस तरह विरोध नहीं करता जैसा कभी करता था। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण) के अनुसार देश में 15-24 वर्ष की आयु की महिलाओं में साक्षरता दर 90 प्रतिशत तक पहुँच गई है यह निस्संदेह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। किंतु इस स्वीकार्यता की परतों के नीचे भी एक अदृश्य रेखा खिंची रहती है। मार्च 2025 में बिहार के दानापुर की खुशबू कुमारी की कहानी पूरे देश ने देखी, जिसने कक्षा 10 में 500 में से 399 अंक लाए, पर परिवार ने विज्ञान की जगह कला वर्ग में दाखिला दिलाया। खुशबू डॉक्टर बनना चाहती थीं। यह कोई अपवाद नहीं है। उच्च शिक्षा की अखिल भारतीय सर्वेक्षण रिपोर्ट 2022-23 के आँकड़े बताते हैं कि उच्च शिक्षा में लड़कियों का नामांकन अनुपात बढ़ा है, परंतु इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर विज्ञान में उनकी उपस्थिति अभी भी एक-तिहाई से कम है। शिक्षण, परिचर्या और मानविकी, ये क्षेत्र इसलिए सामाजिक रूप से मान्य हैं क्योंकि इनमें देखभाल और सेवा का भाव दिखता है और समाज स्त्री को इन्हीं भावों से जोड़कर देखने का आदी है।

अभियांत्रिकी, न्यायशास्त्र, राजनीति, रक्षा-सेवाएँ या वैज्ञानिक शोध जैसे क्षेत्रों में जाने वाली लड़कियाँ अभी भी सामाजिक कल्पनाशीलता की परिधि से बाहर हैं। जो इन क्षेत्रों की ओर जाती हैं, उन्हें प्रत्यक्ष प्रतिबंध से अधिक सूक्ष्म असहजताओं से गुजरना पड़ता है जैसे कि 'सेना में जाओगी, फिर शादी कौन करेगा?' या 'वकालत में घर कब सँभालोगी?' जैसे प्रश्न उनके सपनों को 'यथार्थ' की कसौटी पर बार-बार परखते हैं। धीरे-धीरे लड़की स्वयं भी यह आत्मसात करने लगती है कि उसके सपनों की एक 'सामाजिक सीमा' है। उसे आगे बढ़ने की स्वतंत्रता है परंतु केवल उतनी, जितनी से स्थापित सामाजिक संरचना असहज न हो।

शिक्षाशास्त्री प्रो. कृष्ण कुमार की दृष्टि में समाज स्त्री को केवल विधि-निषेधों से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संकेतों की एक सूक्ष्म भाषा से गढ़ता है। पहनावा, चाल, आवाज़ का आरोह-अवरोह इत्यादि, ये सब मिलकर एक अघोषित पाठ्यक्रम रचते हैं। इसकी अभिव्यक्ति कभी-कभी बेहद ठोस होती है।

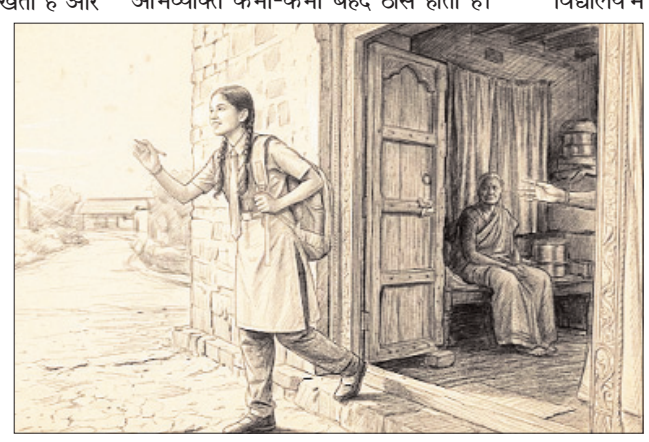

दिल्ली के कुछ विश्वविद्यालयों में एक शोध के दौरान छात्राओं से पूछा गया कि वे कक्षा में प्रश्न पूछने से क्यों हिचकती हैं।

उत्तर चौंकाने वाले थे कि 'लड़के हँसते हैं', 'प्राध्यापक सीरियसली नहीं लेते', 'घर में माँ कहती हैं ज़्यादा बोलना अच्छा नहीं।' ये तीनों उत्तर तीन अलग-अलग दुनियाओं से आए थे परंतु एक ही निष्कर्ष पर मिलते थे : 'तुम्हारी आवाज़ का एक निर्धारित दायरा है।' शायद इसीलिए बहुत-सी लड़कियाँ कम आयु में ही दो भिन्न संसारों के बीच एक अदृश्य सेतु बनाना सीख लेती हैं।

विद्यालय में वे आत्मविश्वास से बोलती हैं, घर में संयम धारण करती हैं। वे जानती हैं कि किस परिसर में कितनी हँसी स्वीकार्य है, और कहाँ मौन ही समझदारी है। मनोविज्ञान इस प्रक्रिया को 'कोड-स्विचिंग' कहता है। कोड-स्विचिंग वह मानसिक श्रम है जो व्यक्ति को एक संदर्भ से दूसरे संदर्भ में जाते ही अपना व्यवहार, भाषा और अभिव्यक्ति बदलनी पड़ती है। यह श्रम अदृश्य है, थकाने वाला है, और अनिवार्यतः असमान क्योंकि यह लड़कियों से ही अपेक्षित है, लड़कों से नहीं।

तथापि परिवर्तन की धारा रुकती नहीं। बिहार सरकार द्वारा चलाई गई'साइकिल योजना'के द्वारा साइकिल मिलने के बाद जब लड़कियाँ पाँच किलोमीटर दूर के माध्यमिक विद्यालय जाने लगीं, तो पाँच वर्षों में राज्य की बाल विवाह दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज हुई। यह शोध 'अमेरिकन इकोनॉमिक जर्नलः अप्लाईड इकोनॉमिक्स' में प्रकाशित हुआ। एक साइकिल ने केवल दूरी नहीं घटाई; उसने लड़की के लिए एक समय का स्वामित्व दिया, एक स्वतंत्रता दी।

प्रत्येक पीढ़ी में कुछ लड़कियाँ निर्धारित सीमाओं को थोड़ा और पीछे धकेलती हैं। झारखंड की मरियम, जिसने घर वालों के विरोध के बाद भी कानून की पढ़ाई जारी रखी और आज अपने जिले की पहली महिला वकील है, वह किसी आंदोलन की देन नहीं है; वह उस छोटी बातचीत की देन है जो उसकी माँ ने एक रात उसके पिता से की थी। बदलाव हमेशा बड़े आंदोलनों से नहीं आता, वह अक्सर घरों के भीतर होने वाली उन छोटी-छोटी बातचीतों से उगता है जो खामोशी को तोड़ती हैं।

शिक्षा का वास्तविक अर्थ मनुष्य को केवल आजीविका के योग्य बनाना नहीं, बल्कि उसे अपने जीवन के बारे में सोचने, प्रश्न करने और चुनाव करने की क्षमता से लैस करना है। विद्यालय जाने वाली लड़कियाँ प्रतिदिन लौटती हैं। परंतु उनके साथ जो प्रश्न लौटते हैं; वे प्रश्न जिन्हें वे कक्षाओं में नहीं पूछ सकतीं, जो उनके मन की गहराई में सुलगते रहते हैं, उन्हें समाज सुनने की कोशिश नहीं करता। अब समय आ गया है कि हम उनकी परीक्षाओं के अंकों से अधिक, उनके अनुभवों को पढ़ना सीखें।

फीफा वर्ल्ड कप

अर्जेंटीना ने आइसलैंड को 3-0 से हराया

● चोट से उबरने के बाद मेसी का शानदार प्रदर्शन

अलबामा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत से पहले आखिरी वॉर्म-अप मुकाबले में अर्जेंटीना ने आइसलैंड के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। चोट से उबरने के बाद मैदान पर लौटे लियोनेल मेसी भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने एक गोल किया। एक मजबूत टीम के खिलाफ खेलते हुए आइसलैंड ने मैच की शुरुआत में अच्छा प्रदर्शन किया और कुछ मौके भी बनाए। मिकेल एलर्टसन के पास गोल करने का अच्छा अवसर था, लेकिन वह हाथ आए इस मौके को भुनाने में नाकाम रहे। यह मौका बाद में

मैच का अहम मोड़ साबित हुआ। इसके बाद अर्जेंटीना ने खेल पर पकड़ बनाई। आठवें मिनट में वैलेंटिन बार्को ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर पहला गोल किया और टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। पहले हाफ में अर्जेंटीना ने लगातार आइसलैंड की डिफेंस पर दबाव बनाया, लेकिन और गोल नहीं कर सका। हाफ टाइम तक स्कोर 1-0 रहा। दूसरे हाफ में अर्जेंटीना के कोच ने कई बड़े बदलाव किए। एलेक्सिस मैक एलिस्टर, एंजो फर्नांडीज और लुटारो मार्टिनेज को सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर उतारा गया। इन खिलाड़ियों के आने से टीम का आक्रमण और मजबूत हो गया।

राइट-बैक की पोजीशन पर खेलने को तैयार इबानेज

● बोले- देश का प्रतिनिधित्व करना बड़ी बात

नई दिल्ली। ब्राजील फुटबॉल टीम के डिफेंडर रोजर इबानेज ने कहा है कि अगर टीम प्रबंधन उन्हें मौका देता है तो वह आगामी फीफा वर्ल्ड कप 2026 में राइट-बैक की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आमतौर पर सेंटर-बैक के रूप में खेलने वाले इबानेज का कहना है कि टीम की जरूरत के हिसाब से वह किसी भी पोजीशन पर खेलने के लिए तैयार हैं। ब्राजील

की टीम को हाल ही में बड़ा झटका लगा है। युवा खिलाड़ी वेस्ली फ्रैंका चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। इसके बाद टीम में राइट-बैक की जगह को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। अनुभवी खिलाड़ी डैनिलो इस भूमिका के लिए सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। हालांकि, इबानेज भी इस पोजीशन पर खेल सकते हैं और उन्हें एक अच्छे विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। जब इबानेज से पूछा गया कि वेस्ली की जगह कौन लेगा, तो उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मेरी पोजीशन तय करना कोच का काम है। मैं सिर्फ इतना जानता हूं कि जहां भी टीम को मेरी जरूरत होगी, मैं वहां खेलने के लिए तैयार हूं। देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सबसे बड़ी बात है।'

भारतीय टीम की बढ़ी मुश्किलें

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले टीम इंडिया के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इंजरी की वजह से वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं। दरअसल, हार्दिक के पैर में निगल (हल्की चोट) है, जिसके कारण उनका वनडे सीरीज में खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। आईपीएल 2026 के दौरान पीठ में ऐंठन की वजह से हार्दिक मुंबई इंडियंस की ओर से कुछ मुकाबले खेलते नजर नहीं आए थे। हार्दिक 2 जून से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में मौजूद थे। माना जा रहा था कि हार्दिक को वनडे सीरीज खेलने के लिए सीओई की तरफ से हरी झंडी मिल जाएगी। हार्दिक सीओई में फिटनेस टेस्ट के दौरान पूरी तरह से फिट नजर आए थे। उन्होंने बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने के साथ-साथ फील्डिंग ड्रिल्स में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, यह निगल उन्हें हाल ही में हुआ है, जिसके कारण उनका 13 जून से शुरू हो रही वनडे सीरीज में खेल पाना मुश्किल

नजर आ रहा है। सूत्रों ने 'आईएएनएस' को बताया, 'हार्दिक पांड्या को सीओई ने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए हरी झंडी दे दी थी। हालांकि, अब पता चला है कि उनके पैर में हल्की चोट लग गई है और उन्हें रिकवरी में कुछ हफ्ते लगेंगे।

सूत्र ने आगे कहा, 'इसका मतलब है कि वह अब वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह से फिट नहीं हो पाएंगे और सीओई में अपने रिहैब पर ध्यान देंगे।' हार्दिक अगर इस सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं होंगे, तो यह भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका हो सकता है। बल्लेबाजी के साथ-साथ हार्दिक गेंदबाजी भी करते हैं। हार्दिक 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं।

हार्दिक ने अपना आखिरी वनडे मुकाबला चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेला था। इसके बाद से उन्होंने कोई भी एकदिवसीय मुकाबला नहीं खेला है। हार्दिक का यह इंतजार और भी लंबा हो गया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि हार्दिक इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज तक फिट हो पाते हैं या नहीं। हार्दिक से पहले विराट कोहली भी हैमस्ट्रिंग की इंजरी के कारण एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो चुके हैं। कोहली के स्थान पर यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया गया है।

विमेंस टी20 वर्ल्ड इतिहास में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में कई टीमों ने अपने दमदार प्रदर्शन से एकतरफा जीत दर्ज करते हुए रिकॉर्ड बुक में जगह बनाई है। आइए, टी20 वर्ल्ड कप में रनों के लिहाज से 5 सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली टीमों के बारे में जानते हैं।

● **114 रन:** विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम पर है, जिसने 21 फरवरी 2023 को पाकिस्तान के विरुद्ध केपटाउन में 114 रन से जीत हासिल की थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 5 विकेट खोकर 213 रन बनाए, जिसके जवाब में पाकिस्तान निर्धारित ओवरों में 99/9 का स्कोर ही बना सका।

● **113 रन:** साउथ अफ्रीका ने 28 फरवरी 2020 को कैनबरा में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ 113 रन के अंतर से जीत हासिल की थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने सलामी

बल्लेबाज लिजेली ली (101) के शतक के दम पर 195/3 का स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद थाईलैंड को 19.1 ओवरों में महज 82 रन पर समेट दिया।

● **102 रन:** इस लिस्ट में न्यूजीलैंड तीसरे पायदान पर है, जिसने 19 फरवरी 2023 को पार्ल में श्रीलंका के विरुद्ध 102 रन से जीत हासिल की थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने सूजी बेट्स (56) और अमेलिया केर (66) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर 162/3 का स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 15.5 ओवरों में महज 60 रन पर सिमट गई।

● **98 रन:** इंग्लैंड ने 26 फरवरी 2020 को थाईलैंड के खिलाफ 98 रन से जीत हासिल की थी। कैनबरा में खेले गए इस मैच में इंग्लैंड ने नैट साइवर-ब्रंट (नाबाद 59) और कप्तान हीथर नाइट (नाबाद 108) के बीच अटूट 169 रन की साझेदारी के साथ 176/2 का स्कोर बनाया। इसके जवाब में थाईलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट गंवाकर 78 रन ही बना सकी।

वनडे विश्व कप की तरह टी20 विश्व कप भी जीते भारतीय टीम: वस्त्रकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सबसे अनुभवी ऑल-राउंडर में से एक, पूजा वस्त्रकार का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका में विराट कोहली के साथ अचानक मुलाकात के दौरान वह नर्वस हो गई थीं और इस वजह से वह उनसे बात नहीं कर पाईं। विमेंस प्रीमियर लीग में आरसीबी की तरफ से खेलने वाली और मौजूदा समय में मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग टी20 (एमपीएल टी20) में चंबल घड़ियाल की कप्तानी कर रही पूजा वस्त्रकार ने मीडिया के साथ खास बातचीत में बताया, 'मैं विराट से दक्षिण अफ्रीका में मिली थी, लेकिन मैंने उनसे बात नहीं की। हम एयरपोर्ट पर थे। मुझे लगा कि वह व्यस्त हैं। शायद मैं नर्वस थी, इसलिए मैंने उनसे बात नहीं की। अगर आप एनसीए (बीसीसीआई सीओई) जाते हैं, तो आप वहां सभी खिलाड़ियों से मिलते हैं। वहां कोच होते हैं। हमारी टीम में बहुत सारे

सीनियर खिलाड़ी हैं। वे छोटी-छोटी चीजों में हमारी मदद करते हैं। इसलिए, मैंने उनसे उस लेवल पर बात नहीं की।'

एमपीएल टी20 के बारे में पूजा ने कहा, 'लड़कियों के लिए यह प्लेटफॉर्म बहुत बड़ा है। जब उन्हें प्लेटफॉर्म मिलता है, तो उन्हें अपनी स्किल्स दिखाने का मौका मिलता है। जब इस तरह का कोई टूर्नामेंट होता है, तो सभी स्काउट मेंबर्स शामिल होते हैं, और उनकी नजर खिलाड़ियों पर होती है। मुझे लगता है कि उन्हें भी पता है कि यह खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा प्लेटफॉर्म है और वे कड़ी मेहनत कर रहे हैं। 'भविष्य के संभावित खिलाड़ी अन्य खिलाड़ियों से कैसे अलग होते हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अनुशासन बहुत जरूरी है। बहुत से लोग कड़ी मेहनत करते हैं, बहुत से लोगों में प्रतिभा होती है। अनुशासन का अर्थ यह हुआ कि अगर आप एक ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं, तो सभी 6 गेंद कप्तान के मुताबिक डालें।

आईटीएफ रैंकिंग: अंडर-13 टेनिस में वर्ल्ड नंबर 1 बनीं सृष्टि किरण

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंटरनेशनल जूनियर टेनिस सर्किट में अपनी चमक बिखेरते हुए बेंगलुरु की 13 वर्षीय सृष्टि किरण अंडर-13 आयु वर्ग की रैंकिंग में 'वर्ल्ड नंबर 1' बन गई हैं। यह उपलब्धि उनके शानदार प्रदर्शन का नतीजा है, जिसमें सृष्टि ने लगातार पांच आईटीएफ जूनियर खिताब जीते और पिछले हफ्ते आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर्स जे100 ग्वाटेमाला में रनर-अप रहीं। सृष्टि किरण के बेहतरीन प्रदर्शन और सफलता ने उन्हें करियर की सर्वश्रेष्ठ आईटीएफ जूनियर रैंकिंग (नंबर 357) तक पहुंचाया, जिससे वह अंडर-13 कैटेगरी में दुनिया की सबसे ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी बन गईं। सृष्टि ने यह मुकाम सिर्फ आठ रैंकिंग इवेंट्स में हिस्सा लेकर हासिल किया, जबकि रैंकिंग की गणना ज्यादा से ज्यादा 10 टूर्नामेंट्स के आधार पर की जाती है। वह आर्थिक और लॉजिस्टिकल दिक्कतों की वजह से 2 इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले सकी थीं। अपने कई करीबी प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में 2 कम

टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने के बावजूद, युवा भारतीय खिलाड़ी अंडर-13 आयु वर्ग में 'वर्ल्ड नंबर 1' बनीं।

सृष्टि का अंतरराष्ट्रीय सफर यूरोप में जारी रहेगा। अगर उन्हें मेन ड्रॉ में एंट्री मिलती है, तो उनके यूनाइटेड किंगडम में जे300 इवेंट में खेलने की उम्मीद है। इसे सर्किट के प्रमुख जूनियर टूर्नामेंट्स में से एक और प्रतिष्ठित विंबलडन जूनियर चैंपियनशिप से पहले का एक अहम इवेंट माना जाता है। सृष्टि अभी ग्रास-कोर्ट सीजन की तैयारी कर रही हैं।

इस उपलब्धि पर सृष्टि ने कहा, 'मैं अपने आयु वर्ग में वर्ल्ड नंबर 1 बनकर बहुत खुश हूं। साल की शुरुआत में मैंने इसके बारे में सोचा भी नहीं था, लेकिन मेरे कोच, परिवार और सपोर्ट टीम के साथ की गई कड़ी मेहनत का फल मिल रहा है। पिछले कुछ हफ्ते बहुत खास रहे हैं। लगातार पांच खिताब जीतना और फिर एक और फाइनल में पहुंचना, इससे मेरा आत्मविश्वास बहुत बढ़ा है।

महिला टी20 विश्व कप

ये 5 गेंदबाज कर सकती हैं दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप के 10वें संस्करण का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाना है। आइए आपको उन पांच गेंदबाजों के नाम बताते हैं, जो इस मेगा इवेंट में अपनी टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं।

● **एनाबेल सदरलैंड:** भले ही सरदलैंड को ऑस्ट्रेलिया की ओर से ज्यादा कामयाबी टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में मिली हो, लेकिन वह क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में भी कारगर साबित हुई है। सदरलैंड का प्रदर्शन पिछले टी20 विश्व कप में कमाल का रहा था। उन्होंने टूर्नामेंट में 15 विकेट चटकाए थे और वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रही थीं। 26 वर्षीय तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेले 85 टी20 मुकाबलों में 53 विकेट निकाल चुकी हैं, जबकि वह बल्ले से भी अहम योगदान दे सकती हैं।

● **चार्ली डीन:** इंग्लैंड की स्पिन गेंदबाज चार्ली डीन अपनी घूमती गेंदों से बल्लेबाजों को खासा तंग कर सकती हैं। डीन इंग्लैंड की ओर से खेले 51 टी20 मुकाबलों में 67 विकेट निकाल चुकी हैं। इस दौरान उनका इकोनॉमी 6.90 का रहा है। विकेट निकालने के साथ-साथ डीन रनों पर अंकुश लगाने के लिए भी जानी जाती हैं। यही वजह है कि इस विश्व कप में उनका प्रदर्शन इंग्लैंड के लिए काफी मायने रखेगा।

● **दीप्ति शर्मा** भारतीय गेंदबाज दीप्ति शर्मा बड़े मुकाबलों की खिलाड़ी हैं और अहम मैचों में वह दमदार प्रदर्शन करने की काबिलियत रखती हैं। 144 टी20 मुकाबलों के

अपने करियर में वह 64 विकेट निकाल चुकी हैं। दीप्ति बीच के ओवरों में साझेदारी तोड़ने का हुनर बखूबी जानती हैं। दीप्ति अपनी गेंदबाजी से किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखती हैं। वह बल्ले से भी अहम योगदान दे सकती हैं।

● **अमेलिया केर:** न्यूजीलैंड टीम की कप्तान अमेलिया केर के प्रदर्शन पर इस टी20 विश्व कप में हर किसी की निगाहें रहने वाली हैं। अमेलिया के लिए यह साल गेंद और बल्ले दोनों से शानदार गुजरा है। वह 11 मुकाबलों में 6.02 की इकोनॉमी से 11 विकेट निकाल चुकी हैं। अपनी घूमती गेंदों के दम पर वह कीवी टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं।

● **शबनम इस्माइल:** रिटायरमेंट से वापस लौटने वालीं शबनम इस्माइल टी20 विश्व कप 2026 में साउथ अफ्रीका के लिए वरदान साबित हो सकती हैं। इस्माइल अपनी रफ्तार के दम पर बल्लेबाजों को शुरुआती ओवरों में खासा तंग करने के लिए जानी जाती हैं। इस्माइल को इंग्लैंड की परिस्थितियों खूब रास आएंगी और रफ्तार के साथ-साथ हवा में स्विंग करती हुई उनकी गेंदें किसी भी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर सकती हैं।

एशियन गेम्स 2026 के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान

साहिबजादा को सौंपी गई कप्तानी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। साहिबजादा फरहान को इस टूर्नामेंट के लिए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, अब्दुल समद को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 15 सदस्यों वाली टीम में चार खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक पाकिस्तान के लिए टी20 इंटरनेशनल में एक भी मुकाबला नहीं खेला है। ये खिलाड़ी आकिफ जावेद, अली रजा, माज सदाकत और साद मसूद हैं। पाकिस्तान की ओर से 46 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके फरहान ने अब तक किसी भी सफेद गेंद के फॉर्मेट में

टीम की कप्तानी नहीं की है। वहीं, अब्दुल समद ने पाकिस्तान की तरफ से सिर्फ 5 टी20 मुकाबले खेले हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में वह टीम का हिस्सा रहे थे।

एशियन गेम्स 2026 के लिए पाकिस्तान टीम का स्क्वॉड

साहिबजादा फरहान (कप्तान), अब्दुल समद (उपकप्तान), अबरार अहमद, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद, अली रजा, अराफात मिन्हास, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद सलमान मिर्जा, साद मसूद, सैम अयूब, सुफयान मोकिम और उस्मान खान (विकेटकीपर)।

लॉर्ड्स और गद्दाफी स्टेडियम की पिचों से नाखुश आईसीसी, डिमेरिट प्वाइंट दिए

दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने लंदन के लॉर्ड्स और लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम को एक-एक डिमेरिट प्वाइंट दिया है। यह कार्रवाई मैच रेफरी की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। ये रिपोर्ट लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकिल के पहले टेस्ट और लाहौर में पाकिस्तान और

ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे वनडे के बाद सौंपी गई थीं। दोनों वेन्यू को एक-एक डिमेरिट प्वाइंट मिला है। आईसीसी ने पुष्टि की है कि इन दोनों मैदानों पर पहले कोई डिमेरिट प्वाइंट नहीं था। संबंधित रिपोर्ट इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भेज दी गई हैं। अब उनके पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए 14 दिन का समय है। आईसीसी ने हाल ही में इंटरनेशनल मुकाबलों में इस्तेमाल की गई पिचों को पिच और आउटफील्ड मॉनिटरिंग प्रोसेस के तहत 'असंतोषजनक' माना था।

लॉर्ड्स में चिंता का मुख्य कारण टेस्ट मैच के दौरान गेंदबाजों को मिली बहुत ज्यादा मदद थी, जहां तीसरे दिन बारिश की वजह से रुकावट के बावजूद मैच चार दिन के अंदर ही खत्म हो गया। मैच के शुरुआती दो दिनों में ही कुल 33 विकेट गिर गए थे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670